झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, गुरुवार, 25 जून 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रुपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -11 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

मिथिलेश सिंह
सेक्रेटरी रांची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन

वर्तमान के परिवेश में जहां पर बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ है। उन्हें अपने फिटनेस को लेकर सजक रहना चाहिए। और किसी भी एक स्पोर्ट्स को अपनाना चाहिए। जिससे उनका मानसिक तनाव भी काम होता है और बच्चों में एक्टिंवनेस आती है। अभिभावकों को भी चाहिए कि बच्चों को हो सके जितना खेलों में रुझान दिलाएं ताकि उनकी फिजिकल फिटनेस भी अच्छी रहे।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,49,560**

चांदी (प्रति किलो) : **2,55,000**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **76,991.22**

निफ्टी :- **24,021.62**

मौसम

अधिकतम तापमान : **32** °

न्यूनतम तापमान : **24** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:05**

संध्या :- **18:38**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 2008 को उत्तर प्रदेश सरकार ने मकान व प्लाट की रजिस्ट्री सस्ती कर उस पर लगने वाला स्टाम्प शुल्क 8% से घटाकर 5% कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

तमाड़ के बारेडीह गांव में वृद्ध की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

तमाड़। थाना क्षेत्र के बारेडीह गांव में एक वृद्ध व्यक्ति की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गोविंद महतो (65 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविंद महतो खेत में बिचड़ा (धान की नर्सरी) बोने गए थे। काम के दौरान वह एक पेड़ के नीचे बैठकर आराम कर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावर ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में उनका गला काट दिया गया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के कारणों और आरोपियों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

श्रीपति लाल अपार्टमेंट में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मची अफरा-तफरी

रांची। राजधानी रांची के डेली मार्केट थाना क्षेत्र स्थित ओसीसी कंपाउंड, बंगला स्कूल के पीछे स्थित श्रीपति लाल अपार्टमेंट में अहले सुबह करीब 5 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. आग लगते ही अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई. जानकारी के अनुसार, श्रीपति लाल अपार्टमेंट के बेसमेंट के समीप लगे बिजली मीटर और लिफ्ट के हिस्से में आग लगी थी. धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और डेली मार्केट थाना पुलिस मौके पर पहुंची. करीब 15 से 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

मुख्यमंत्री ने झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा नव-चयनित 262 अभ्यर्थियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति प्रदान की

आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर करें फोकस : हेमंत सोरेन

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड मंत्रालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नव-चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल 262 अभ्यर्थियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति प्रदान की। इनमें झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची द्वारा नव-चयनित 56 खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अंतर्गत संविदा आधारित 151 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्पताल प्रबंधक तथा 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास

के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मानवबल आवश्यक है, और इसी दिशा में सरकार बड़े पैमाने पर नियुक्तियां कर रही है। मुख्यमंत्री ने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी के साथ करते हुए आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करें।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध, आगे भी होंगी व्यापक नियुक्तियां

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य क्षेत्र में मानवबल को और मजबूत करने की आवश्यकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी। उनका कहना था कि सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी विकसित राज्य की आधारशिला होती है और सरकार इस दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आम नागरिकों को समय पर, सुलभ और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है। नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करें, ताकि आम जनता को बेहतर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें तथा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु नवाचार, दक्षता और सुदृढ़ व्यवस्था आवश्यक

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सदैव विभिन्न प्रकार की चुनौतियां बनी रहती हैं, चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र। उन्होंने कहा कि संसाधनों की उपलब्धता, विशेषज्ञ मानवबल, समय पर उपचार और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ रखना जैसी अनेक चुनौतियां निरंतर सामने आती रहती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कोरोना महामारी इस बात का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था के समक्ष अभूतपूर्व परिस्थितियां उत्पन्न कीं और त्वरित निर्णय, समन्वय तथा नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार का सतत प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रहें, ताकि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि आपात स्थितियों में त्वरित सेवाएं सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी स्तरों पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार निरंतर इस दिशा में कार्य कर रही है, ताकि आम जनता को सुलभ, सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें तथा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाया जा सके।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव, नेहा अरोड़ा, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, शशि प्रकाश झा, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं सैकड़ों नव-नियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे।

चाईबासा में मिला 30 किलो का मोर्टार शेल, कुछ महीने पहले बरामद हुआ था द्वितीय विश्व युद्ध का बम

झारखण्ड उजाला संवाददाता

चाईबासा। मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोनपोखरी गांव में खेत की जुताई के दौरान एक संदिग्ध मोर्टार शेल मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. करीब 30 किलोग्राम वजन और लगभग दो फीट लंबे इस जंग लगे विस्फोटक जैसी वस्तु मिलने के बाद पुलिस और सीआरपीएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और उसे अपने कब्जे में ले लिया. मिली जानकारी के अनुसार, सोनपोखरी गांव निवासी विजय हेंब्रम के खेत में ट्रैक्टर से जुताई का कार्य चल रहा था. इसी दौरान ट्रैक्टर चालक शिवचरण महतो को मिट्टी के नीचे किसी भारी वस्तु के दबे होने का एहसास हुआ. जब मिट्टी हटाई तो वहां एक जंग लगा मोर्टार शेल जैसा पदार्थ दिखाई दिया. इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस और सीआरपीएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर लोगों को दूर किया गया. बाद में सीआरपीएफ की बम निरोधक टीम मौके पर पहुंचकर संदिग्ध वस्तु की जांच की.

पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने उक्त संदिग्ध मोर्टार शेल को अपने कब्जे में ले लिया है. उन्होंने कहा कि

बम निरोधक दस्ता द्वारा इसकी जांच की गई. रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. एसपी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल घबराने या किसी प्रकार के खतरे की कोई बात नहीं है. घटना की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई थी. हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की और लोगों को अलर्ट कर दिया. प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि खेतों, जंगलों या अन्य स्थानों पर किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने पर उसे छूने या हटाने का प्रयास न करें और तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें. बता दें कि बता दें कि झारखंड में यह पहला कोई विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है. इससे पहले 17 मार्च को पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में सुवर्णरखा नदी किनारे 500 पाउंड के अमेरिकी बम मिला था.

फाइनल मुकाबला में छोटानागपुर रॉयल्स बनी चैंपियन, स्टेडियम में उमड़ा जनसैलाब

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग के पहले संस्करण का फाइनल मुकाबला जहां क्रिकेट के रोमांच और रिकॉर्ड भीड़ के लिए याद किया जाएगा. वहीं स्टेडियम के बाहर हुई अव्यवस्था और भगदड़ जैसी स्थिति ने आयोजन पर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं. जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में छोटानागपुर रॉयल्स ने जमशेदपुर स्टीलर्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया. लेकिन मैच से पहले प्रवेश व्यवस्था चरमराने के कारण कई दर्शक घायल हो गए और कुछ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा.

मैदान पर कुमार कुशाग्र का जलवा, रॉयल्स बनी चैंपियन

झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में जमशेदपुर स्टीलर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 180 रन बनाए. टीम की ओर से हर्ष राणा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों पर 64 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल थे. 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छोटानागपुर रॉयल्स की शुरूआत शानदार रही. कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 39 गेंदों में नाबाद 78 रन जड़ दिए. उनकी पारी में 3 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे. कुशाग्र की कप्तानी पारी के दम पर रॉयल्स ने 17.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 184 रन बना लिए और 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए पहला जेटी-20 खिताब अपने नाम कर लिया. कुमार कुशाग्र को उनकी मैच विजेता पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और बेस्ट बैटर का पुरस्कार दिया गया. वहीं जमशेदपुर स्टीलर्स के अमन कुमार सिंह को 2 विकेट लेने के लिए बेस्ट बॉलर और हर्ष राणा को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया.

स्कोरः फाइनल मैच

जमशेदपुर स्टीलर्स - 180/8 (20 ओवर)

छोटानागपुर रॉयल्स - 184/3 (17.2 ओवर)

पुरस्कार विजेताः फाइनल मैच

प्लेयर ऑफ द मैच - कुमार कुशाग्र (78*)

बेस्ट बैटर - कुमार कुशाग्र (78*)

बेस्ट बॉलर - अमन कुमार सिंह (2 विकेट)

फाइटर ऑफ द मैच - हर्ष राणा (64 रन)

पुरस्कार विजेताः ओवरऑल टूर्नामेंट

प्लेयर ऑफ द फाइनल - कुमार कुशाग्र

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - प्रत्युष कुमार (12 विकेट)

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - विराट सिंह

पर्पल कैप (सर्वाधिक विकेट) - प्रतीक रंजन (17 विकेट)

ऑरेंज कैप (सर्वाधिक रन) - विराट सिंह (395 रन)

सर्वाधिक चौके - विराट सिंह

सर्वाधिक छक्के - उत्कर्ष सिंह

कैच ऑफ द टूर्नामेंट - रॉबिन मिंज

उपायुक्त ने किया गांधी स्मारक प्लस टू मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय रामगढ़ का निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज ने मंगलवार को गांधी स्मारक प्लस टू मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, रामगढ़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत 22 जून से 10 जुलाई तक आयोजित विशेष पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया तथा विद्यालय के शैक्षणिक, भौतिक एवं सह-पाठयक्रम व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने विद्यालय परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत उन्होंने प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत चलाए जा रहे स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के शौचालयों, कक्षाओं, खेल मैदान तथा अन्य परिसरों की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में पेयजल की बेहतर व्यवस्था के लिए डीप बोरिंग की आवश्यकता सामने आने पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए डीप बोरिंग की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निर्बाध पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके। प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत आयोजित की जाने वाली रचनात्मक एवं नवाचार आधारित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विद्यालय में पेंटिंग, निबंध, वाद-विवाद, क्विज एवं अन्य शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने एवं उनमें आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षण व्यवस्था एवं अन्य आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान उन्होंने नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं लक्ष्य आधारित तैयारी पर जोर दिया। उपायुक्त ने शिक्षकों को निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि के भीतर सभी विषयों का पाठ्यक्रम पूर्ण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।इस अवसर पर उपायुक्त ने रेल परियोजना के तहत आगामी माह जिला स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा की जानकारी विद्यार्थियों को दी तथा उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से विद्यार्थी किसी भी प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय परिसर में उपलब्ध खेल सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न खेलों के नियमित आयोजन पर बल दिया। साथ ही खेल मैदान के समतलीकरण, साफ-सफाई एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ बैठक कर विद्यालय के शैक्षणिक स्तर को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से लागू करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की सक्रिय भूमिका और समर्पण से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है तथा विद्यालय उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सकता है। उपायुक्त ने प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत संचालित विशेष पखवाड़ा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्धारित अवधि के भीतर सभी गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भुरकुंडा कोलियरी के सीसीएल कॉलोनी जवाहर नगर में ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू: बरका सयाल क्षेत्र के भुरकुंडा कोलियरी सीसीएल कॉलोनी जवाहर नगर में सुबह-सुबह ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग लग गई। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि जवाहर नगर ऊपर धोड़ा और हनुमानगढ़ी में सीसीएल क्वार्टर से ज्यादातर सीसीएल जमीन पर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बन गई है। ज्यादातर लोग सीसीएल के बिजली ही यूज करते हैं और कई लोग ऐसे भी है जो सीसीएल के बिजली से हीटर और वेल्डिंग मशीन औ बड़ी-बड़ी मशीन भी चलाते हैं अपने घर में। जिस कारण सीसीएल कार्मियों के क्वार्टर में ढंग से बिजली नहीं मिलती है। इसी कारण आग इतनी तेजी से लगी कि लोगों को मौका तक नहीं मिला आग बुझाने का। सीसीएल ट्रांसफार्मर में लोड बहुत ज्यादा होता है क्योंकि कुछ लोग अवैध तरीके से बिजली जलाते हैं। एक घर में दो-दो हीटर। सीसीएल जमीन पर अवैध तरीके से दो तीन तला बिल्डिंग, घर और दुकान, वेल्डिंग मशीन, फर्नीचर दुकान, में बड़ी-बड़ी मशीन, भुरकुंडा थाना चौक से गुरुद्वारा रोड तक कई बड़ी-बड़ी दुकानों में सीसीएल का बिजली यूज किया जाता है। कुछ दुकान में सीसीएल का बिजली से ही डीप फ्रीज यूज करते हैं। कई लोग ऐसे भी है जो एक घर में दो-दो कनेक्शन रखते हैं बिजली का। जिसके कारण सीसीएल का ट्रांसफार्मर लोड नहीं लेता और बार-बार जल जाता है।

स्कूली बच्चों में जागरुकता के लिए चला महाअभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

युद्ध,नशे के विरुद्ध नशे से दूरी बनाने की पहल

लोहरदगा: सेन्हा प्रखंड क्षेत्र में युवाओं और स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने को लेकर पुलिस ने एक विशेष जागरुकता अभियान शुरू किया है। यह अभियान युद्ध,नशे के विरुद्ध नशे से दूरी बनाने की पहल,स्कूली बच्चों में जागरुकता के लिए महाअभियान राज्य के विभिन्न प्रखंड व पंचायत के स्कूल प्रांगण में आरम्भ किया जा रहा है। इन्ही तथ्यों के साथ बुधवार को लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत झालजमीरा पंचायत के गगेया प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के बीच थाना प्रभारी के नेतृत्व में एस आई खिलेश्वर बड़ाइक एवं ए एस आई रामचन्द्र मांझी के द्वारा बच्चों को नशा से दुष्प्रभाव पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। विदित हो कि इस अभियान के तहत पुलिस अधिकारी विभिन्न स्कूलों में जाकर छात्रों से सीधे संवाद कर रहे हैं और उन्हें नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं। साथ ही साथ समाज में फैल रहे इस बड़ी बुराई के खिलाफ लड़ाई में उनका सहयोग भी मांग रहे हैं। नशा जागरूकता के दौरान एस आई खिलेश्वर बड़ाइक ने बताया कि नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान लोहरदगा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सेन्हा पुलिस का फिलहाल सबसे बड़ा कार्यसूची है। जिसके तहत पुलिस अफसर स्कूलों तक पहुंच रहे हैं और मादक पदार्थ से जुड़े प्रत्येक बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बच्चों और शिक्षकों को जानकारी दी जा रही है। क्या है मादक पदार्थ और लाइफ पर असर कैसे होता है सहित चार बिंदुओं पर बच्चों से बात करते हैं। सबसे पहले ड्रग्स क्या है यह बच्चों को बताया जाता है। साथ ही साथ ड्रग्स के कौन कौन से प्रकार हैं यह भी बताया जाता है। नशामुक्त समाज निर्माण की दिशा में चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों ने स्कूलों में पहुंच कर बच्चों को सबसे पहले यह समझाया कि आखिर ड्रग्स,शराब,गांजा तंबाकू इत्यादि मादक पदार्थ क्या है और इसके सेवन से युवाओं के जीवन को किस तरह बर्बाद करता है। इस पर प्रकाश डालते हुए बेहद ही सरल भाषा में छात्रों को बताया जाता है ड्रग्स ऐसे मादक पदार्थ होते हैं जो व्यक्ति के दिमाग और शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ता है। शुरूआत में यह आकर्षक या तनाव दूर करने वाला साधन लग सकता है पर धीरे-धीरे इसकी लत व्यक्ति को शारीरिक,मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर बना देती है। इसके अलावे अन्य नशीला पदार्थ के बारे में बारी बारी से जानकारी देते हुए जागरूकता पर जोर दिया गया।

झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त समिति के सभापति परिसदन रामगढ़ में अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त समिति के सभापति सरयू राय की अध्यक्षता में बुधवार को परिसदन, रामगढ़ में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, अधिनियमों एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सभापति राय ने सूचना का अधिकार अधिनियम, सेवा का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा रोजगार का अधिकार अधिनियम के तहत नजिले में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण अधिनियमों का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना तथा सेवाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके लिए इन अधिनियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम जनता तक इनकी जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाने हेतु विशेष अभियान चलाए जाएं। बैठक में नई शिक्षा नीति के तहत जिले में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। सभापति ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा नागरिक सुविधाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित करने पर बल दिया। प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए सभापति ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अधिकारियों को गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कारखानों, खदानों एवं अन्य इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक में कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा शाखा, विभिन्न पेंशन योजनाओं, आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत प्रमंडल सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। सभापति ने लाभुकों तक योजनाओं का समयबद्ध लाभ पहुंचाने, लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करने तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंताओं सहित अन्य उपस्थित थे।

चितरपुर महाविद्यालय में विश्व योग दिवस का आयोजन किया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रिमगढ़/रजरप्पा ।चितरपुर महाविद्यालय चितरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में सभी कर्मचारियों ने एकसाथ मिलकर योग किया तथा इसे निरंतर करने का प्रण भी लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ संज्ञा उपस्थित थीं। उन्होंने ने छात्रों तथा शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें। यह कई तरह से रोगों से दूर रखने का अचूक स्वास्थ्य व्यायाम है। योग सिर्फ. एक शारीरिक व्यायाम ही नहीं, बल्कि साधना और मस्तिष्क को सक्रिय रखने का भी बेहतरीन पहल है यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और जीवन को सार्थक बनाने में मदद करता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. ज्योति कुमारी, प्रो. जूही उपाध्याय, प्रो. अंजनी करमाली, प्रो. कुर्तुल ऐंन, प्रो. मनोज कुमार झा, प्रो. निखत परवीन, प्रो. रेवालाल पटेल, प्रो. अंजू कुमारी, डॉ ताराशंकर अग्रवाल, प्रो. शबाना अंजुम, प्रो. मीना मुंडा, प्रो. नगमा नौशाबा, प्रो. उत्तम कुमार सिंह, प्रो. मिथलेश करमाली, सहित जफरुल हसन खान, रवि कुमार, कुसुम कुमारी, आसिया आफरीन, सोनू कुमार, राजेश तिवारी, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं छात्राएं उपस्थित थीं।

मारवाड़ी युवा मंच एवं चेतना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में मारवाड़ी रक्तसेतु महा रक्तदान शिविर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा एवं चेतना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को रामगढ़ स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में ₹रक्तसेतु महा रक्तदान शिविर₹ का भव्य आयोजन किया गया। समाजसेवा और मानवता के प्रति समर्पित इस आयोजन में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा कुल 151 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का शुभारंभ रामगढ़ के उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल, रामगढ़ कैंट शाखा के अध्यक्ष श्रींजय मेवाड़, चेतना शाखा की अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल, मारवाड़ी धर्मशाला कमिटी के मंत्री मुरारी लाल अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि धनंजय पुटूस एवं मंच के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात उप विकास आयुक्त एवं सदर अस्पताल की चिकित्सा टीम को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया तथा शिविर में रक्तदान कर रहे रक्तदाताओं से मिलकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं की सक्रियता और सेवा भावना देखने को मिली। विभिन्न वर्गों के लोगों ने मानवता के इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाते हुए रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।आयोजकों ने बताया कि रक्त की आवश्यकता किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को पड़ सकती है। ऐसे में इस प्रकार के रक्तदान शिविर न केवल रक्त भंडार को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। मंच द्वारा समय-समय पर सामाजिक एवं जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और आगे भी इसी प्रकार की सेवा गतिविधियां जारी रहेंगी।

शिविर की सफलता में मंच के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं सदर अस्पताल से आए डॉ. निषाद अहमद, डॉ. डॉली, उपेंद्र साहू, अजीत, चंद्रजीत, मिथुन, संजू एवं बाहा ने रक्त संग्रहण एवं चिकित्सीय सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रींजय मेवाड़, आशुतोष बेरलिया, प्रिंस अग्रवाल, संतोष गोकुलका, अमित अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, प्रद्युम्न गोयल, राहुल पिलानिया, निखिल अग्रवाल, नितेश बेरलिया, रितिक परसरामपुरिया, रौनक अग्रवाल, निलिंद अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, सिद्धि जैन, दीक्षा अग्रवाल, मीनू बागड़िया, नेहा पूरण, स्नेहा जैन, नेहा अग्रवाल, नीरू देवी, लवली अग्रवाल, अर्चना बजाज, ज्योति खंडेलवाल, नेहा जैन, सुमन चौधरी, पूजा अग्रवाल, समा जैन, सांची गोयल एवं डॉ. नीति बेरलिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत में मंच के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच के मीडिया प्रभारी अभिषेक अग्रवाल ने विशेष रूप से सभी रक्तदाताओं तथा सदर ब्लड बैंक की पूरी टीम का धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह महा रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उन्होंने भविष्य में भी समाजहित में ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

रोटरी रामगढ़ सिटी की शानदार सफलता, आउटस्टैंडिंग बेस्ट प्रेसिडेंट सहित छह अवॉर्ड प्राप्त

रामगढ़: पटना स्थित होटल मौर्य में आयोजित रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के सत्र 2025-26 के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में रोटरी रामगढ़ सिटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए। इन पुरस्कारों में आउटस्टैंडिंग बेस्ट प्रेसिडेंट अवॉर्ड भी शामिल है, जो क्लब के लिए विशेष गौरव का विषय रहा।समारोह में झारखंड एवं बिहार के विभिन्न रोटरी क्लबों ने भाग लिया, जहां सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, जल संरक्षण एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच रोटरी रामगढ़ सिटी ने अपनी उत्कृष्ट सेवा गतिविधियों के बल पर विशिष्ट पहचान बनाई।क्लब को विभिन्न श्रेणियों में कुल छह पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें आउटस्टैंडिंग बेस्ट प्रेसिडेंट अवॉर्ड सहित कई महत्वपूर्ण सम्मान शामिल रहे। इन उपलब्धियों ने रोटरी रामगढ़ सिटी को डिस्ट्रिक्ट के अग्रणी क्लबों में स्थान दिलाया।समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथियों एवं डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारियों ने क्लब की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी के माध्यम से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने रोटरी रामगढ़ सिटी के प्रयासों को अनुकरणीय बताया।क्लब अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि यह सम्मान क्लब के सभी सदस्यों की सामूहिक मेहनत, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। वहीं क्लब सचिव रोहित कुमार पंसारी ने कहा कि यह उपलब्धि सभी सदस्यों को और अधिक उत्साह के साथ समाजसेवा के लिए प्रेरित करेगी तथा क्लब भविष्य में भी जनहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।इस उपलब्धि पर क्लब के सदस्यों में हर्ष का माहौल है तथा इसे पूरे रामगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

एस एस प्लस टू हाई स्कूल पतरातू में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कब फुटबॉल टूनार्मेंट का हुआ शुभारंभ, बच्चों ने खूब कहा है पसीना

पतरातू: प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूनार्मेंट का शुभारंभ 24 जून को एस एस प्लस टू हाई स्कूल पतरातू में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रभाकर कुमार के द्वारा किया गया। मोके पर एस एस प्लस टू हाई स्कूल पतरातू के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार रविदास एवं बी पी ओ इरफान कौसर शामिल थे। बुधवार को अंडर 15 बालक वर्ग में कैथोलिक आश्रम भुरकुंडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रखंड के शारीरिक शिक्षक शेखर कुमार, रविंद्र दुबे, धीरज कुमार पाठक, मनीष सिंह, आलोक कुमार मिश्रा, पंकज राय, रामप्रकाश महतो, मनीष अभीर, इमरान खान एवं सरफराज खान ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

रजरप्पा मंडल कार्यकताओं ने विधायक प्रदीप प्रसाद का किया भव्य स्वागत

रामगढ़। हजारीबाग सदर के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मां छिन्नमस्तिका के पावन दरबार, रजरप्पा मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत गोला स्थित द्वारिका पैलेस में भारतीय जनता पार्टी रजरप्पा मंडल के नेतृत्व में विधायक प्रदीप प्रसाद का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा संगठन की मजबूती एवं जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में जिला मंत्री बाबलू साव, जिला कोषाध्यक्ष मनोज महतो, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र साहू, महेंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष कृष्णा शर्मा, महामंत्री ललन कुमार, मंडल कोषाध्यक्ष शंकर महतो, विकास मणि पाठक, प्रदीप कुशवाहा, सुधीर महतो, सूरज वर्मा, उज्ज्वल चक्रवर्ती सहित रजरप्पा मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

श्री राम दरबार मंदिर निर्माण का हुआ भव्य शुभारंभ

लोहरदगा: श्री राम मंदिर दरबार न्यास के तत्वावधान में मिशन चौक स्थित प्रस्तावित श्री राम दरबार मंदिर परिसर में बुधवार को भूमि पूजन कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्तों ने भाग लिया।शोभायात्रा में श्रद्धालु भगवान बजरंगबली की पताकाएं लेकर ₹जय श्री राम₹, ₹जय वीर हनुमान₹, ₹हर-हर महादेव₹ और ₹जय माता दी₹ के जयघोष करते हुए नगर भ्रमण पर निकले। भक्ति गीतों और धार्मिक नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इसके बाद मिशन चौक स्थित मंदिर निर्माण स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना और भूमि पूजन कराया गया। कार्यक्रम में आईआरएस निशा उरांव, रोहित उरांव समेत आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने मंदिर निर्माण कार्य के सफल और शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि श्री राम दरबार मंदिर का निर्माण क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करेगा। यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और सनातन परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु, राम भक्त एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

बीएलए, बीएलओ को एसआईआर में सहयोग करें: सीओ

लोहरदगा: प्रखंड स्तर पर पुनरीक्षण कार्यक्रम सफल बनाने को लेकर लोहरदगा जिला के सेन्हा प्रखंड मुख्यालय प्रांगण के महात्मा गांधी सभागार में राजनीतिक दल के अध्यक्ष,जन प्रतिनिधि एवं राजनीतिक दल के बीएलए के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतू बिशुनपुर विधान सभा क्षेत्र के सेन्हा प्रखंड में बुधवार को बैठक संपन्न हुआ। बैठक के दौरान अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत ने कहा कि बीएलए कार्यकर्ता बीएलओ को सहयोग करें। बताते हुए कहा योग मतदाता है और अहर्ता पूरा करता है और उम्र 18 साल हो,भारत की नागरिक हो तथा अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में नाम हो उसे योग्य मना जाएगा। बीएलए बीएलओ को गणना प्रपत्र वितरण और जमा करने में सहयोग करेंगे साथ ही कहा कि त्रुटि मतदाता सूची को सत्यापन के साथ प्रपत्र 6,7, 8 के साथ शामिल करने में योगदान दें। वैसे मतदाता जिसका मृत्यु हो चुका है या स्थाई रूप से दूसरे जगह रह रहा हो वैसे मतदाताओं को बीएलओ घर घर जाकर सत्यापन करेंगे।जिसमें बीएलए और जन प्रतिनिधि अपने स्तर से सहयोग करेंगे। मौके पर जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की,सांसद प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला,शरद यादव, सुजीत उरांव के अलावे अन्य राजनीतिक दल से कार्यकर्ता आदी उपस्थित थे।

पीएम श्री राजकीयकृत मध्य विद्यालय नवाडीपाड़ा में ₹एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया पौधारोपण

लोहरदगा: पीएम श्री राजकीयकृत मध्य विद्यालय नवाडीपाड़ा, लोहरदगा में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।पौधारोपण के उपरांत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक अरुण राम ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। ये न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि वायु को शुद्ध कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिससे मानव एवं अन्य जीव-जंतुओं का जीवन संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि वृक्षों की संख्या बढ़ने से वर्षा का संतुलन बना रहता है, भूजल स्तर में वृद्धि होती है तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में सहायता मिलती है।उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि प्रत्येक छात्र अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल परिवार के सदस्य की तरह करे। साथ ही कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता या अभिभावकों के साथ एक पौधा लगाकर उसकी तस्वीर संबंधित पोर्टल पर अपलोड करें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विज्ञान शिक्षक राहुल कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एक परिपक्व वृक्ष प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। वृक्ष पक्षियों एवं अन्य जीवों के लिए प्राकृतिक आवास भी उपलब्ध कराते हैं।

डीएसपीएमयू में बड़ा फैसला: अब छात्रों के लिए उपलब्ध होंगी टॉपर्स की उत्तरपुस्तिकाएं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है. कुलपति प्रो. (डॉ.) राजीव मनोहर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह मंजूरी दी गई कि विश्वविद्यालय के यूजी और पीजी टॉपर्स की उत्तरपुस्तिकाओं को छात्रों के अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा. इस निर्णय के साथ डीएसपीएमयू झारखंड का पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं अन्य छात्रों के लिए मॉडल के रूप में प्रदर्शित की जाएंगी.

इससे तकनीक समझने का मौका मिलेगा

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से छात्रों को उत्तर लेखन की बेहतर तकनीक समझने का अवसर मिलेगा. अक्सर विद्यार्थी विषय का ज्ञान होने के बावजूद उत्तरों की प्रस्तुति, संरचना और विश्लेषणात्मक लेखन में पीछे रह जाते हैं. टॉपर्स की उत्तरपुस्तिकाएं देखकर वे यह जान सकेंगे कि बेहतर अंक प्राप्त करने के लिए किस प्रकार उत्तर लिखे जाते हैं, विषयवस्तु को कैसे व्यवस्थित किया जाता है और परीक्षा में प्रभावी प्रस्तुति का क्या महत्व होता है.

परीक्षा प्रणाली और अधिक होगी पारदर्शी

कुलपति प्रो. राजीव मनोहर ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है. उन्होंने कहा कि यह निर्णय छात्रों को प्रेरित करने के साथ-साथ परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होगी और वे अपनी कमियों को पहचानकर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे.

एजुकेशनल सिस्टम को मजबूत करने का उद्देश्य

बैठक में परीक्षा सुधार और शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए. विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने, शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप शैक्षणिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने पर भी सहमति बनी. इसके अलावा विद्यार्थियों के ओवरऑल डेवलपमेंट, पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और अकादमिक गतिविधियों को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर भी चर्चा कर उन्हें मंजूरी दी गई.

परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता में होगा सुधार

शिक्षाविदों का मानना है कि टॉपर्स की उत्तरपुस्तिकाओं को अध्ययन सामग्री के रूप में उपलब्ध कराने से विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा. वे केवल पाठ्यपुस्तकों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि यह भी समझ पाएंगे कि परीक्षक किस प्रकार के उत्तरों को बेहतर अंक देते हैं. इससे परीक्षा परिणामों की गुणवत्ता में भी सुधार आने की संभावना है. विश्वविद्यालय के इस फैसले को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचार के रूप में देखा जा रहा है. डीएसपीएमयू का यह कदम राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी एक मॉडल साबित हो सकता है. कुलपति का मानना है कि इससे विद्यार्थियों में सीखने की नई संस्कृति विकसित होगी और वे उत्कृष्ट प्रदर्शन की दिशा में अधिक प्रभावी ढंग से तैयारी कर सकेंगे.

स्मार्ट मीटर योजना में गड़बड़ी पर जेबीवीएनएल का एक्शन, दो अधिकारी निलंबित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

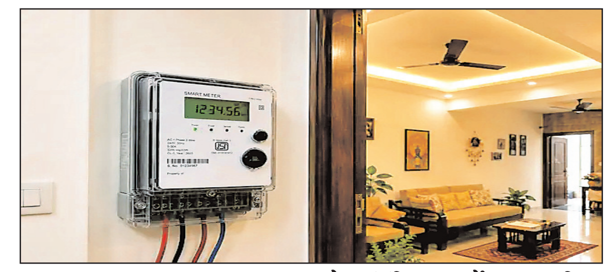

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने स्मार्ट मीटर और एनर्जी अकाउंटिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं में कथित अनियमितता और लापरवाही के आरोप में दो वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. निगम मुख्यालय द्वारा 23 जून को जारी अलग-अलग कार्यालय आदेशों के तहत यह कार्रवाई की गई है. जेबीवीएनएल के अनुसार, राज्य और केंद्र सरकार की ओर से विश्व बैंक और आरडीएसएस योजना के तहत संचालित 33/11 केवी फीडर, डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर एवं उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाने, बिल जनरेशन और एनर्जी अकाउंटिंग को मजबूत बनाने की योजना में शिथिलता बरती गई. इससे निगम को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ बिलिंग और एनर्जी अकाउंटिंग व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जतायी गई है.

दो लोगों पर गिरी गाज

कार्यालय आदेश संख्या-299 के तहत वरिष्ठ प्रबंधक (तकनीकी) एवं अतिरिक्त प्रभार उप महाप्रबंधक (तकनीकी) एनर्जी अकाउंटिंग एंड एनर्जी ऑडिट से जुड़े कार्यों का दायित्व संभाल रहे सिद्धार्थ कुमार शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है. निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विद्युत आपूर्ति अंचल, हजारीबाग निर्धारित किया गया है. वहीं कार्यालय आदेश संख्या-300 के तहत वरिष्ठ प्रबंधक (जीटीओ), वरिष्ठ प्रबंधक (तकनीकी-टीएसजी) और आरडीएसएस एवं जेपीएसआईपी से संबंधित कार्यों का दायित्व संभाल रहे अवधेश कुमार को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विद्युत आपूर्ति अंचल, रामगढ़ रहेगा. जेबीवीएनएल ने स्पष्ट किया है कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही संचालित की जाएगी. साथ ही निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा. निगम प्रबंधन ने कहा है कि महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा और जवाबदेही तय की जाएगी.

वन्य प्राणी के प्रति अपराध की रोकथाम सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधान मुख्य वन संरक्षक हॉफ झारखंड संजीव कुमार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। वन्यजीव अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से आज वन भवन मुख्यालय, रांची में वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो सेंट्रल रीजन एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के समन्वय समिति की अहम बैठक वन विभाग झारखंड के राज्य मुख्यालय विवेकानंद सभागार में आयोजित की हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान मुख्य वन संरक्षक हॉफ झारखंड संजीव कुमार ने किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक झारखंड संजीव कुमार ने इस बैठक के संबंध में बताया कि वन्यजीव अपराधों एवं वन्य जीव तस्करी की रोकथाम के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विभाग द्वारा नोडल अधिकारियों के नामांकन, महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा, ऑनलाइन केस प्रबंधन, वित्तीय जांच, अभियोजन सहायता तथा वन्यजीव अपराधियों के प्रोफाइल अद्यतन करने की आवश्यकता है। श्री कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वन्यजीव एवं उनके अंगों की अवैध तस्करी को रोकने के लिए हवाई, रेल एवं सड़क मार्गों के साथ-साथ डाकघरों एवं कुरियर सेवाओं के माध्यम से होने वाले अवैध परिवहन पर प्रभावी निगरानी स्थापित की जाए साथ ही, वन्यजीव अपराधों से संबंधित सूचनाओं का समयबद्ध आदान-प्रदान सुनिश्चित करने हेतु एक सुदृढ़ तंत्र विकसित करने पर बल दिया गया।

आईपीएस रुचिका ऋषि एडिशनल डायरेक्टर वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल बोर्ड बी एच क्यू नई दिल्ली ने वन्य प्राणी अपराध पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने वन्य प्राणी की सुरक्षा संरक्षण तस्करी से बचाव आदि पर अपने विचार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वन विभाग के साथ-साथ ईडी, सीबीआई, सीआईएफ, पुलिस , आदि सभी सुरक्षा बलों तथा एजेंसियों मिलकर कार्य करना होगा तभी हमारे वन्य जीव जो प्रकृति के अनमोल देन है सुरक्षित रह पाएंगे उन्होंने भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संबंधित प्रावधानों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा वन्यजीव अपराधों के प्रभावी अनुसंधान एवं अभियोजन हेतु नियमित अंतराल पर सभी विभागों की बैठक का सुझाव दिया।

प्रधान सचिव से मिले हजारीबाग सांसद, सड़क परियोजनाओं को लेकर हुई चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं और मरम्मत कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की. सांसद ने एनएच-33 हजारीबाग-चतरा मार्ग से हजारीबाग-बगोदर मार्ग के निर्माण प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देने की मांग की. उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार यह प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज चुकी है, लेकिन अभी तक इस पर आगे की कार्रवाई नहीं हुई है. उन्होंने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से लंबित है और इसके कारण लोगों को परेशानी हो रही है. इसके अलावा सांसद ने रामगढ़ के पटेल चौक से बोंगाबार तक करीब 10 किलोमीटर सड़क को फोर लेन बनाने के प्रस्ताव को सीआरआईएफ योजना के तहत केंद्र सरकार को भेजने का आग्रह किया. उनका कहना है कि इससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर और सुरक्षित होगी. मुलाकात के दौरान नया मोड़ चौक से गिद्दी दामोदर पुल (हीरक रोड) तक की जर्जर सड़क का मुद्दा भी उठाया गया. सांसद ने बताया कि यह सड़क पहले सीसीएल के अधीन थी, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति काफी खराब है. उन्होंने जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की. सांसद ने रामगढ़ जिले के कोठार चौक से गोला तक सड़क को फोर लेन बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया और इसके शीघ्र विकास की मांग की. मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें.

डोरंडा सेंट्रल कमेटी की अपील, मोहर्रम पर समय पर जुलूस निकाले व कानून-व्यवस्था बनाए रखे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। डोरंडा सेंट्रल मोहर्रम कमेटी ने मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से डोरंडा क्षेत्र के सभी अखाड़ों के खलीफाओं एवं पदाधिकारियों के लिए निर्देश जारी किए हैं. कमेटी ने सभी से निर्धारित समय का पालन करने की अपील की है. इसके साथ ही भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की है. कमेटी 26 जून को डोरंडा के विभिन्न मोहल्लों से पारंपरिक झांकी जुलूस निकाला जाएगा. सभी अखाड़ों को रात्रि 9 बजे अपने-अपने मोहल्लों से जुलूस प्रारंभ करने के निर्देश जारी किए है. यह जुलूस निर्धारित मार्गों से होते हुए युनुस चौक पहुंचेगा. जहां से विभिन्न मोहल्लों का भ्रमण करेगा. भ्रमण के बाद सभी झांकियां अपने गंतव्य स्थानों में समाप्त होंगी.

27 जून को निकलेगा मुख्य मोहर्रम जुलूस

कमेटी ने बताया कि मोहर्रम जुलूस 27 जून को निकाला जाएगा. सभी मोहल्लों के अखाड़े और ताजिये सुबह 8 बजे तक युनुस चौक पर एकत्रित होंगे. जुलूस का नेतृत्व धावताल अखाड़ा, ग्वाला टोली द्वारा किया जाएगा. यहां से जुलूस तुलसी चौक और राजेंद्र चौक होते हुए मेन रोड की ओर प्रस्थान करेगा.

रात में निकलेगा ऐतिहासिक पहलाम जुलूस

27 जून की रात मोहर्रम का ऐतिहासिक पहलाम जुलूस भी निकाला जाएगा. इस दौरान सभी अखाड़े पुनः युनुस चौक पर एकत्रित होंगे, जहां पारंपरिक हथियारों के खेल और विभिन्न कलाबाजियों का प्रदर्शन किया जाएगा.

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील

डोरंडा सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी अखाड़ों के खलीफाओं से समय-सारणी का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया है. समय पर जुलूस निकलने से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी और लोगो को भी अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा.

रिम्स में सीआईडी की दबिश, एडमिशन में हुई अनियमितताओं की जांच शुरू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के रिम्स में मेडिकल सीट अलॉटमेंट में हुई अनियमितताओं की जांच सीआईडी ने शुरू कर दी है. बुधवार को सीआईडी की एक बड़ी टीम जांच के लिए रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय सहित कई स्थानों पर कागजात खंगाल रही है. सीआईडी अधिकारियों के मुताबिक, नामांकन और टेंडर में हुई गड़बड़ियों को लेकर यह जांच की जा रही है. यह कार्रवाई पिछले वर्ष (सत्र) में हुए एडमिशन से जुड़ी गंभीर गड़बड़ियों और शिकायतों को लेकर की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार, पिछले शैक्षणिक सत्र में रिम्स में हुए कुछ एडमिशन को लेकर गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज कराई गई थीं. इन शिकायतों में नियमों को ताक पर रखकर अयोग्य छात्रों को दाखिला देने के आरोप हैं. शुरूआती जांच में मामले को गंभीर पाते हुए राज्य सरकार के निर्देश पर सीआईडी ने इसका जिम्मा संभाला और आज यह बड़ी कार्रवाई की.

स्वास्थ मंत्री ने दी जानकारी

मामले को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बताया कि एडमिशन के लिए हुई काउंसलिंग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी. मंत्री के अनुसार, उन्हें यह जानकारी मिली थी कि काउंसलिंग के दौरान फर्जी कागजात जमा किए गए थे. जिसके बाद उन्होंने इसके लिए सभी मेडिकल कालेजों की जांच की सिफारिश की थी.

राजधानी में बढ़ रहा है साइबर खतरा, हेल्थ बीमा के नाम पर और मोबाइल हैक कर उड़ाए लाखों रूपए

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी में साइबर अपराधी लगातार एक्टिव हैं और बड़ी आसानी से ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं. राजधानी में पिछले 36 घंटे में तीन लोगों के साथ साइबर ठगी की गई है. तीनों मामले साइबर क्राइम थानों में दर्ज हुए हैं. पहला मामला रांची के हटिया की रहने वाली हन्ना पूर्ति की है. साइबर ठगों द्वारा भेजे गए लिंक को खोलते ही हन्ना पूर्ती के खाते से 8.40 लाख रुपए गायब हो गए. इस संबंध में हन्ना पूर्ती ने साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. हन्ना पूर्ती ने पुलिस को बताया कि उन्हें एक व्यक्ति ने फोन किया और खुद को एक बैंक का अधिकारी बताते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड में उनका हेल्थ बीमा हुआ है. जिसमें उन्हें पांच हजार रुपए डेबिट करना है. फोन पर साइबर अपराधी ने बताया कि 5 हजार में ही उनका हेल्थ बीमा पूरा हो जाएगा. जिसके बाद ठग ने हन्ना पूर्ती को उनके व्हाट्सएप नंबर पर एक लिंक भेजा. जिसे ओपन करते ही हन्ना पूर्ती के खाते से राशि की अवैध निकासी कर ली गई. बाद में उधर से कोई जवाब नहीं मिला तो हन्ना को समझ आया कि उनके साथ ठगी की गई है. जिसके बाद वह साइबर थाना पहुंची और मामला दर्ज कराया.

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ा लिए 6.77 लाख

दूसरा मामला रांची के बरियातू थाना क्षेत्र का है. थाना क्षेत्र के मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स की निवासी 66 वर्षीय उषा जैन साइबर ठगी का शिकार हो गई. बुजुर्ग उषा के अनुसार 10 जून से 18 जून के बीच साइबर ठगों ने उनके मोबाइल हैक कर आईडीबीआई बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 6.77 लाख रुपए की अनधिकृत निकासी कर ली. जबकि आश्चर्यजनक रूप से उन्हें बैंक की ओर से किसी भी लेन-देन संबंधित कॉल, एसएमएस अथवा अन्य सूचना प्राप्त नहीं हुई. मामले का खुलासा तब हुआ जब वह ऑडिट के लिए बैंक स्टेटमेंट निकाल रही थी. इस संबंध में बुजूर्ग उषा जैन ने साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि पांच जून और 8 जून 2026 को उनके मोबाइल नंबर से उनकी जानकारी और सहमति के बिना एसएमएस भेजे गए. साथ ही 10 जून को उन्हें केवाईसी अपडेट का संदेश प्राप्त हुआ, जबकि उन्होंने कोई केवाईसी अपडेट नहीं कराया था.

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 4 लाख रुपये

तीसरा मामला लोउर बाजार इलाके का है. लोअर बाजार थाना क्षेत्र के बसार टोली निवासी संतोष कुमार वर्मा के बैंक खातों से साइबर अपराधियों द्वारा मोबाइल हैक कर चार लाख रुपये की ठगी कर ली गई. संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि उनके इंडसइंड बैंक, रांची शाखा स्थित व्यक्तिगत तथा एचयूएफ खातों से दो-दो लाख रुपए निकाल लिए गए. घटना की जानकारी उन्हें तब हुई जब उनके मोबाइल पर लगातार ओटीपी और कॉल फॉरवर्डिंग संबंधी मैसेज आने लगे. जबकि उन्होंने किसी के साथ ओटीपी साझा नहीं किया और न ही किसी अनुरोध को स्वीकार किया था. संदेह होने पर वे तत्काल बैंक पहुंचे और दोनों खाते फ्रीज करने का अनुरोध किया.

अस्पताल में था परिवार, चोरों ने नकदी, गहने व अन्य कीमती सामान पर किया हाथ साफ

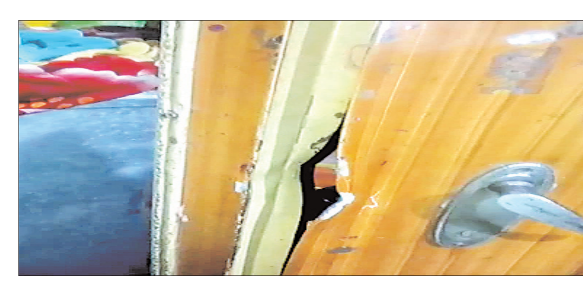

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित रवि स्टील इलाके में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया है. चोर खिड़की तोड़कर घर में घुसे और नकदी, गहने और अन्य कीमती सामानों पर हाथ साफ किया. गृह स्वामी ने इस संबंध में थाने में शिकायत की है. जानकारी के अनुसार बिजली मिस्त्री अखिलेश चौधरी दो दिन पहले ट्रांसफॉर्मर से करंट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे. उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है. परिवार के सभी सदस्य भी उनकी देखभाल के लिए अस्पताल में मौजूद थे, जिससे घर खाली पड़ा था. इसी मौके का फायदा उठाकर चोरों ने घर की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया और नकद रुपये, जेवरात समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. स्थानीय लोगों ने पुलिस से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है. शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी

रांची रेल मंडल की बड़ी पहल : अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं के बीच तैयार होंगे भविष्य के खिलाड़ी, स्लम बस्तियों के बच्चों को भी मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची रेल मंडल अब केवल खिलाड़ियों को नौकरी देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन्हें तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) की पहल पर रेलवे क्षेत्र में खेल अकादमी के विस्तार की योजना को गति दी जा रही है. इस पहल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के साथ-साथ रेलवे कॉलोनियों और उसके आसपास की स्लम बस्तियों में रहने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को खेल प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य का खिलाड़ी बनाना है.

विभिन्न खेलों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध

रांची रेल मंडल के पास खेलों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है. यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मौजूद हैं और रेलवे के कई खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, बावजूद इसके लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा था कि इन संसाधनों का उपयोग नई प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए. इसी सोच के साथ डीआरएम ने खिलाड़ियों के विकास को प्राथमिकता देते हुए खेल अकादमियों के विस्तार का प्रस्ताव रखा.

बस्तियों के बच्चों को नि:शुल्क प्रशिक्षण

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यह पहल केवल रेलवे कर्मचारियों के परिवारों तक सीमित नहीं होगी. रेलवे क्षेत्र के आसपास रहने वाले उन बच्चों को भी इसका लाभ मिलेगा, जो खेलों के प्रति रुचि रखते हैं लेकिन आर्थिक कारणों से उचित प्रशिक्षण नहीं प्राप्त कर पाते हैं. विशेष रूप से स्लम बस्तियों के बच्चों को नि:शुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा ताकि प्रतिभा संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए.

क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित

वर्तमान में रेलवे परिसर में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं. फुटबॉल मैदान में क्रिकेट अकादमी भी चल रही है जबकि फुटबॉल खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है. हॉकी प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गई है और अन्य खेलों को भी चरणबद्ध तरीके से अकादमी से जोड़ा जा रहा है. अभी 50 से अधिक बच्चे विभिन्न खेल गतिविधियों से जुड़े हुए हैं और संख्या लगातार बढ़ रही है. रेलवे की योजना आने वाले समय में चेस (शतरंज), वॉलीबॉल और फुटबॉल की समर्पित अकादमी शुरू करने की है. अधिकारियों का कहना है कि बच्चों को छोटी उम्र से ही व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे तकनीकी रूप से मजबूत बन सके और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार हो सके.

बुटन देवी का राष्ट्रीय सम्मान पूरे पंचपरगना का गौरव : सुदेश महतो

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू। संगीत नाटक अकादमी सम्मान के लिए चयनित झारखंड की सुप्रसिद्ध लोकगायिका एवं लोकनृत्य कलाकार बुटन देवी को बुधवार को उनके ताऊ स्थित आवास पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सम्मानित किया। इस अवसर पर कलाकारों और ग्रामीणों ने पारंपरिक नृत्य-गीत के माध्यम से उनका भव्य स्वागत किया। सुदेश महतो ने बुटन देवी, उनके पति लखीचरण मुंडा तथा कलाकार दल के सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि स्वर कोकिला के नाम से विख्यात बुटन देवी को राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी सम्मान मिलना पूरे पंचपरगना क्षेत्र और झारखंड के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 45 वर्षों से बुटन देवी लोकगीत, लोकनृत्य और झारखंडी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। उनके अथक परिश्रम और कला साधना ने झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाई प्रदान की है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल बुटन देवी का नहीं, बल्कि पूरे पंचपरगना की सांस्कृतिक विरासत और यहां की लोककला परंपरा का सम्मान है। उनके संघर्ष, समर्पण और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने ताऊ गांव में बुटन देवी के नाम पर कला भवन निर्माण की मांग रखी। इस पर सुदेश महतो ने कला भवन निर्माण कराने का आश्वासन दिया। मौके पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, राजकिशोर कुशवाहा, श्याम कुमार महतो, हरिहर महतो, देवनाथ कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में कलाकार, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्थायी लोक अदालत की भूमिका और न्यायिक शक्तियों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

साहिबगंज ।झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में इंडियन बैंक, साहेबगंज परिसर में ₹स्थायी लोक अदालत की सांविधिक प्रक्रिया, सुलहकारी अधिदेश एवं न्यायनिर्णयन शक्तियाँ₹ विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य स्थायी लोक अदालत की भूमिका, अधिकारिता एवं लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित वाद-पूर्व (प्री-लिटिगेशन) मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के प्रति विभागों एवं संबंधित हितधारकों को जागरूक करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थायी लोक अदालत, साहेबगंज के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम, 1987 के तहत स्थायी लोक अदालत को लोक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों के समाधान के लिए विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य आम नागरिकों को सरल, सुलभ, त्वरित एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराना तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना है। उन्होंने स्थायी लोक अदालत में मामलों के संदर्भण, सुलह प्रक्रिया तथा सुलह विफल होने की स्थिति में विवादों के गुण-दोष के आधार पर निर्णय देने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विभिन्न विभागों एवं सेवा प्रदाताओं से अधिकाधिक वाद-पूर्व मामलों का निस्तारण स्थायी लोक अदालत के माध्यम से कराने की अपील की।
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि नियमित लोक अदालतें मुख्य रूप से सुलह एवं समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण करती हैं, जबकि स्थायी लोक अदालत को सुलह असफल होने की स्थिति में विवाद का निर्णय करने की वैधानिक शक्ति प्राप्त है। उन्होंने बताया कि स्थायी लोक अदालत के निर्णय अंतिम होते हैं और सभी पक्षकारों पर बाध्यकारी होते हैं। कार्यक्रम के दौरान बैंकिंग, बीमा, विद्युत, दूरसंचार, परिवहन, नगर निकाय एवं अन्य लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों को स्थायी लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा विभागीय समन्वय के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को अधिकाधिक मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत की सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

बरहरवा में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर प्रशिक्षण, पारदर्शी निर्वाचन पर जोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बरहरवा/साहिबगंज। आगामी चुनावों की तैयारी के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मंगलवार को +2 उच्च विद्यालय बरहरवा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन आयोग के राज्य स्तरीय पदाधिकारी के. रवि ने उपस्थित होकर पुनरीक्षण कार्य से जुड़े अधिकारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और बूथ लेवल एजेंटों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने, त्रुटियों में सुधार तथा पात्र मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने पर विशेष बल दिया गया। राज्य स्तरीय पदाधिकारी के. रवि ने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने और आयोग के निदेर्शों का पूरी तरह पालन करने की अपील की। कार्यक्रम में निर्वाचन कर्मियों को तकनीकी पहलुओं की भी जानकारी दी गई, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाया जा सके। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बीएलए एवं अन्य संबंधित लोगों ने भी प्रशिक्षण में भाग लेकर निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों से मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

29 जून को निकलेगी श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा, समिति ने प्रशासन से मांगा सहयोग

साहिबगंज। आगामी 28 जून को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संकीर्तन तथा 29 जून को प्रस्तावित श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा एवं स्नान महोत्सव को लेकर श्री श्री जगन्नाथ सेवा समिति, साहिबगंज की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन को सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए समिति के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक, साहिबगंज से मुलाकात कर उन्हें औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा और आवश्यक प्रशासनिक सहयोग का अनुरोध किया।समिति के अध्यक्ष अविनाश नरसरिया, सचिव कुमार दीपांशु, कोषाध्यक्ष आनंद ठाकुर एवं सदस्य चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 28 जून को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जबकि 29 जून को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री जगन्नाथ स्नान रथ यात्रा एवं स्नान महोत्सव संपन्न होगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।समिति ने जिलेवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। साथ ही आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन एवं आमजन के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गई। पुलिस अधीक्षक ने समिति की ओर से दी गई जानकारी पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण को लेकर बीएलए का प्रशिक्षण, बीडीओ ने बताई अहम भूमिका

राजमहल/साहिबगंज। प्रखंड सभागार राजमहल में बुधवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीडीओ मो. यूसुफ ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलए की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएलए, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संकलन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा कोई अपात्र या गलत नाम सूची में शामिल न हो। इसके लिए सभी संबंधित कर्मियों एवं बीएलए को पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। बीडीओ ने उपस्थित प्रतिभागियों से इस महाअभियान को सफल बनाने के लिए शत-प्रतिशत योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत राज पदाधिकारी सूर्यनारायण चौधरी, बीपीओ गगन बापू, विजय कुमार, अनिसुर रहमान, दीपक चंद्रवंशी, मो. मुर्शीद राजा, अजय चौधरी, देवेन ठाकुर, चंदन श्रीवास्तव, मो. सफीक सहित अन्य पदाधिकारी एवं बीएलए उपस्थित थे।

हत्या के दोषी इंसान शेख को आजीवन कारावास की सजा

अदालत ने आईपीसी की धारा 302 के तहत सुनाया ऐतिहासिक फैसला

राजमहल/साहिबगंज। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम राजमहल न्यायालय की न्यायाधीश वैशाली श्रीवास्तव ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए एसटी केस नंबर 35/21 के मुख्य अभियुक्त इंसान शेख को हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। अदालत ने मंगलवार को यह ऐतिहासिक निर्णय सुनाया, जिससे क्षेत्र में कानून के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है। जो थाना राधानगर, जिला साहेबगंज के अंतर्गत आता है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में दोषी के खिलाफ ठोस सबूत और गवाह पेश किए, जिसके बाद अदालत ने उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। वही इस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी पहलुओं पर गौर करने के बाद यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि यह मामला काफी पुराना था और सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली है। इस फैसले से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है और न्याय व्यवस्था पर अपना भरोसा जताया है। साथ ही स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के कड़े फैसलों से समाज में कानून का डर बना रहेगा और अपराधियों को सख्त संदेश जाएगा कि जघन्य अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, दोषी को सजा सुनाए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मोहर्रम को लेकर बरहरवा थाना में शांति समिति की बैठक, शांतिपूर्ण आयोजन पर जोर

बरहरवा/साहिबगंज। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को बरहरवा थाना परिसर में थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोहर्रम जुलूस, निर्धारित रूट, यातायात व्यवस्था तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार राणा समेत प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी तथा विभिन्न मोहर्रम कमेटियों के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान मोहर्रम कमेटी के सदस्यों के साथ जुलूस के रूट चार्ट पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जुलूस के निर्धारित मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, अनुशासन और शांति के साथ मनाया जाए। उन्होंने सभी कमेटियों से प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने की अपील की। बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सभी मोहर्रम कमेटियों से आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का आग्रह किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। बैठक का समापन सभी समुदायों के बीच भाईचारे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

पंचकठिया मेन रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, एक गंभीर घायल

साहिबगंज ।बरहेट प्रखंड अंतर्गत पंचकठिया मेन रोड पर बुधवार को दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार रक्सी गांव निवासी 43 वर्षीय भोलका केवट, पिता बाबूराम केवट, पंचकठिया बाजार से बोरियो की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चुटिया गांव निवासी 20 वर्षीय राजा हांसदा अपनी पत्नी 19 वर्षीय मरांबीटी मुर्मू के साथ बाइक से पंचकठिया की ओर आ रहे थे। पंचकठिया बाजार स्थित रक्सी मोड़ के समीप दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई।दुर्घटना में भोलका केवट गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बरहेट पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. तौशिफ आजम ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं राजा हांसदा और उनकी पत्नी मरांबीटी मुर्मू को सामान्य चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही बरहेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

मनरेगा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, एक सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट देने को कहा गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

राजमहल/साहिबगंज। प्रखंड सभागार राजमहल में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मो. यूसुफ की अध्यक्षता में मनरेगा योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मानव दिवस सृजन, योजना पूर्णता, जियो टैगिंग, जलदूत ऐप में प्रगति समेत विभिन्न बिंदुओं की पंचायतवार समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान बीडीओ ने मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने हाल ही में हड़ताल से वापस लौटे ग्राम रोजगार सेवकों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों में तेजी लाते हुए मानव दिवस सृजन, योजनाओं की पूर्णता, जियो टैगिंग एवं जलदूत ऐप पर अद्यतन जानकारी अपलोड करने जैसे कार्यों में एक सप्ताह के भीतर अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न पंचायतों की कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए बीडीओ ने कहा कि मनरेगा योजनाओं का प्रभावी संचालन एवं समय पर क्रियान्वयन सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए सभी संबंधित कर्मी निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें और योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। बैठक में बीपीओ श्वेता, गगन बापू, सहायक अभियंता विकास कुमार, कनीय अभियंता विनोद कुमार, मो. एहसानुल जमील, दीप नारायण मंडल सहित सभी ग्राम रोजगार सेवक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

मॉडल कॉलेज राजमहल में यूजी सेमेस्टर-6 परीक्षा शुरू, पहले दिन 302 में 301 परीक्षार्थी हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

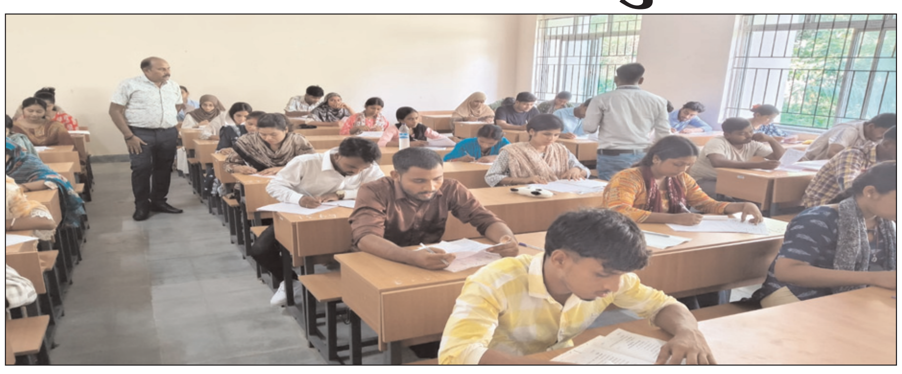

राजमहल/साहिबगंज ।सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा आयोजित यूजी सेमेस्टर-6 (सत्र 2022-26) परीक्षा 2025 का शुभारंभ बुधवार को मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में हुआ। परीक्षा विश्वविद्यालय के निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप संपन्न कराई गई।परीक्षा के प्रथम दिन पहली पाली में कुल 108 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें 107 उपस्थित हुए जबकि एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। वहीं दूसरी पाली में कुल 195 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार पहले दिन कुल 302 नामांकित परीक्षार्थियों में से 301 ने परीक्षा दी।परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल, पंखा एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की।डॉ. सिंह ने परीक्षार्थियों को निर्देश दिया कि वे परीक्षा शुरू होने से कम-से-कम 15 मिनट पूर्व केंद्र पर पहुंचें तथा परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं किसी भी प्रकार की नकल सामग्री का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के परीक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले परीक्षार्थियों के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही परीक्षा संचालन में सहयोग देने वाले शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बेहतर प्रबंधन और कड़ी निगरानी के कारण परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई।

पैतृक जमीन विवाद में खूनी संघर्षः बीच-बचाव करने पहुंचे बुजुर्ग की मौत, पत्नी और पुत्र गंभीर घायल,जांच में जुटी पुलिश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

राजमहल/साहिबगंज।
राजमहल थाना क्षेत्र के जयराम डांगा गांव में पैतृक जमीन को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने बुधवार को खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई हिंसक मारपीट में बीच-बचाव करने पहुंचे 70 वर्षीय रुदल यादव की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी रेखा देवी और पुत्र जीतू यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, रुदल यादव और उनके भाई हरिकिशोर यादव के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को विवादित जमीन पर बाउंड्री निर्माण के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। मृतक के पुत्र रामदेव यादव ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर हरिकिशोर यादव, रामअवतार यादव, धर्मराज यादव, धर्मवीर यादव तथा परमेश्वर यादव ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान रामदेव यादव किसी तरह मौके से बच निकले, लेकिन उनके पिता रुदल यादव, मां रेखा देवी और भाई जीतू यादव हमलावरों के निशाने पर आ गए। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों की सहायता से तीनों घायलों को राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने रुदल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं रेखा देवी और जीतू यादव की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन और थाना प्रभारी हसनैन अंसारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदन और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एएसआई महादेव उरांव, सनातन हेंब्रम, नंदकिशोर यादव, सर्जन मुर्मू समेत पुलिस बल मौजूद था।

साहिबगंज महाविद्यालय में इग्नू की जून 2026 सत्रांत परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

साहिबगंज। साहिबगंज महाविद्यालय स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र-3605 में जून 2026 सत्रांत परीक्षा का सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण आयोजन किया गया। परीक्षा दो पालियों में विश्वविद्यालय के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई।परीक्षा का निरीक्षण इग्नू क्षेत्रीय केंद्र द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर डॉ. मृदुल सिन्हा तथा अध्ययन केंद्र के केंद्राधीक्षक एवं समन्वयक डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने किया। परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की गई और परीक्षार्थियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।डॉ. ध्रूब ज्योति कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम पाली में 12 विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें पंजीकृत 57 परीक्षार्थियों में से 55 उपस्थित रहे, जबकि 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। वहीं द्वितीय पाली में 14 विषयों की परीक्षा में कुल 236 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 215 उपस्थित हुए तथा 21 अनुपस्थित रहे।उन्होंने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। अध्ययन केंद्र द्वारा परीक्षार्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं।इस अवसर पर डॉ. सिंह ने जानकारी दी कि इग्नू के जुलाई 2026 सत्र के लिए बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., बी.सी.ए., स्नातकोत्तर (मास्टर्स), डिप्लोमा एवं विभिन्न सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नामांकन एवं अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी इग्नू अध्ययन केंद्र-3605, साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज से संपर्क कर सकते हैं।

बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाईः दिल्ली जा रहे तीन नाबालिगों का रेस्क्यू, ट्रेन से 8.67 लीटर विदेशी शराब भी बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा रेलवे स्टेशन पर बुधवार को आरपीएफ ने सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए एक ओर जहां दिल्ली मजदूरी करने जा रहे तीन नाबालिग बालकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया, वहीं दूसरी ओर विशेष जांच अभियान के दौरान एक यात्री ट्रेन से लावारिस बैग में रखी 8.67 लीटर विदेशी शराब भी बरामद की। दोनों कार्रवाइयों से रेलवे परिसर में असामाजिक गतिविधियों और अवैध तस्करी के खिलाफ आरपीएफ की सक्रियता एक बार फिर सामने आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में कांस्टेबल मृत्युंजय कुमार के साथ बरहरवा रेलवे स्टेशन पर असामाजिक तत्वों, यात्री अपराधों एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम को लेकर सुबह से ही गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-1 के न्यू फरक्का छोर स्थित द्वितीय यात्री शेड के पास तीन नाबालिग बालक संदिग्ध अवस्था में अकेले घूमते मिले। पूछताछ में तीनों ने स्वयं को गोड्डा जिले का निवासी बताया। बालकों ने बताया कि वे बिना अभिभावकों को सूचना दिए घर से निकल आए थे और दिल्ली जाकर गन्ने के खेतों में मजदूरी करने के उद्देश्य से बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ ने तीनों बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर पोस्ट लाया तथा बाल संरक्षण संस्था ह्यमंथनह्ण को सूचना दी। संस्था की प्रतिनिधि अनाशु मलाकर ने पहुंचकर बच्चों की काउंसलिंग की। सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद तीनों नाबालिगों को आगे की देखभाल एवं संरक्षण के लिए मंथन, राजमहल के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आने - जाने वाली ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ, विदेशी शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की अवैध ढुलाई के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान आरपीएफ और सीपीडीएस टीम ने ट्रेन संख्या 53433 अप (अजीमगंज-बरहरवा पैसेंजर) की जांच की। प्लेटफॉर्म संख्या-3 पर पहुंची ट्रेन के एक सामान्य कोच की तलाशी के दौरान सीट के नीचे रखा एक काला रंग का पिट्ठू बैग बरामद हुआ। बैग के संबंध में यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने उस पर दावा नहीं किया। इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में बैग की तलाशी ली गई, जिसमें विभिन्न ब्रांडों की विदेशी शराब बरामद हुई। जब्त शराब में ओल्ड मोंक व्हिस्की, बकार्डी लेमन रम, रॉयल स्टेज व्हिस्की, ऑफिसर्स चॉइस के पाउच तथा मैजिक मोमेंट वोडका शामिल हैं। कुल 8.670 लीटर विदेशी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 7,840 रुपये बताई गई है, जब्त की गई। बरामद शराब को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाकर उत्पाद विभाग, साहिबगंज को अग्रेतर कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया। आरपीएफ की इन दोनों कार्रवाइयों की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। एक ओर नाबालिग बच्चों को संभावित शोषण और जोखिम से बचाया गया, वहीं दूसरी ओर रेलवे मार्ग से हो रही अवैध शराब तस्करी पर भी प्रभावी रोक लगाने का प्रयास किया गया।

पूर्ण किए गए सत्यापन कार्यों का प्रखंड स्तर पर बीडीओ एवं सीओ तथा जिला स्तर पर नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी स्वयं सत्यापन करेंगे:डीसी

सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

उपायुक्त की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक आयोजित

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई, पाकुड़ के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।बैठक के दौरान सहायक निदेशक द्वारा सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने आधार सीडिंग में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करते हुए योजनाओं के लाभुकों को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा। मोबाइल नंबर सीडिंग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न पेंशन योजनाओं के शेष 89 लाभुकों का मोबाइल नंबर सीडिंग कार्य अविलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाभुकों तक योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं सुचारु रूप से पहुंचाने के लिए मोबाइल नंबर सीडिंग अत्यंत आवश्यक है।डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित केंद्र प्रायोजित योजनाओं के 4,997 लाभुकों का डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कार्य 31 जुलाई 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके लिए सभी प्रखंडों एवं जिला स्तर पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को विशेष शिविर आयोजित करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक विज्ञापन प्रकाशित कराने का निर्देश दिया गया।मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि योजना के अंतर्गत पूर्ण किए गए सत्यापन कार्यों का प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी तथा जिला स्तर पर नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी स्वयं सत्यापन करेंगे, ताकि प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय का संचालन पूर्ववत वर्तमान कार्यालय से जारी रखने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में संप्रेषण गृह की स्थापना हेतु भूमि चिन्हित करने के संबंध में अंचलाधिकारी, पाकुड़ को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टर केयर अनुमोदन समिति की बैठक शीघ्र आयोजित कराने, बाल देखभाल संस्थानों के निबंधन नवीनीकरण हेतु टीम गठित करने तथा संबंधित प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने बच्चों के संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर विशेष संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता पर बल देते हुए जिला बाल संरक्षण समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने को कहा। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं नवनियुक्त चौकीदारों के लिए बाल विवाह रोकथाम एवं अन्य बाल संरक्षण विषयों पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाएं समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम हैं। सभी संबंधित पदाधिकारी इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन सूची का सर्वसम्मति से अनुमोदन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

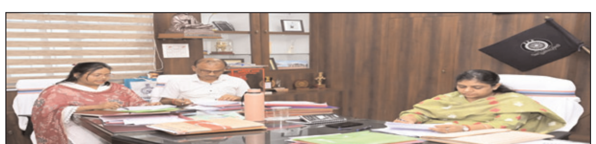

पाकुड़ : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन से संबंधित जिला स्तरीय नामांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए प्रखंड स्तर से प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान समिति के सदस्यों के समक्ष प्रखंड स्तरीय नामांकन समिति द्वारा अनुमोदित अभ्यर्थियों की सूची प्रस्तुत की गई। सूची की बिंदुवार समीक्षा एवं आवश्यक परीक्षण के उपरांत जिला स्तरीय नामांकन समिति द्वारा उसे सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया गया।बैठक में बताया गया कि *कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 में नामांकन की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। नामांकन के लिए जिले में उपलब्ध सीटों एवं चयनित छात्राओं की संख्या के अनुसार कक्षा 6 में कुल 425 सीटों के विरुद्ध 414 छात्राओं का चयन किया गया है। कक्षा 7 में 34 सीटों के विरुद्ध 33, कक्षा 8 में 30 सीटों के विरुद्ध 29, कक्षा 9 में 41 सीटों के विरुद्ध 37 तथा कक्षा 11 में 65 सीटों के विरुद्ध 41 छात्राओं का नामांकन हेतु चयन किया गया है।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ग्रामीण एवं वंचित वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नामांकन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से संपन्न कराई जाए, ताकि पात्र छात्राओं को शिक्षा का बेहतर अवसर उपलब्ध हो सके।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि (पाकुड़, महेशपुर एवं लिट्टीपाड़ा), बीईईओ, एडीपीओ, एपीओ तथा संबंधित विद्यालयों की वार्डेन उपस्थित रहीं।

सदर अस्पताल में घुसे लंगूर से मची अफरा-तफरी, दो लोगों को काटा, सुरक्षित रेस्क्यू

महेशपुर (पाकुड़)। महेशपुर सदर अस्पताल परिसर में बुधवार को एक लंगूर के घुस आने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लंगूर अस्पताल के विभिन्न कमरों में घुसकर इधर-उधर उछल-कूद करने लगा, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों में दहशत फैल गई। इस दौरान लंगूर ने दो लोगों को काटकर घायल भी कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लंगूर अचानक अस्पताल परिसर में पहुंच गया और एक के बाद एक कई कमरों में घुसने लगा। उसकी हरकतों से अस्पताल में मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत सतर्कता बरती और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी।मरीजों और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लंगूर को पकड़ने के लिए प्रयास शुरू किया गया। काफी मशक्कत और सूझबूझ के बाद उसे बिना किसी नुकसान के सुरक्षित तरीके से काबू में कर लिया गया। लंगूर के पकड़े जाने के बाद अस्पताल परिसर में सामान्य स्थिति बहाल हो गई और लोगों ने राहत की सांस ली।जानकारी के अनुसार पकड़ा गया जीव ग्रे लंगूर (Gray Langur) है। उसे सुरक्षित रूप से नियंत्रण में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुहर्रम पर्व को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया जुलूस मार्ग एवं मेला स्थल का निरीक्षण

हजारीबाग। मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त श्री हेमन्त सती एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार के संयुक्त नेतृत्व में बुधवार को मुहर्रम जुलूस मार्ग, कर्बला स्थल एवं मेला स्थल का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने झंडा चौक, खिरगांव चौक, लोहसिंघना, मंडई कर्बला, पेलावल सहित छड़वा डैम स्थित मेला स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संपूर्ण जुलूस मार्ग का भौतिक सत्यापन करते हुए सुरक्षा, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।इस अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि मुहर्रम के दौरान आमजनों की सुविधा के लिए आयोजन स्थल पर मेडिकल कैंप, अस्थायी शौचालय तथा पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही सभी संबंधित विभागों को निर्धारित ट्रैफिक रूट प्लान के अनुसार यातायात संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।अधिकारियों ने कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने आम नागरिकों से आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मुहर्रम पर्व मनाने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।साथ ही जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय, डीएसपी सीसीआर, थाना प्रभारी ।

प्रवासी श्रमिकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक सहायता योजना के तहत सहायता राशि प्रदान

दुर्घटना एवं सामान्य मृत्यु के मामलों में आश्रित परिवारों को मिली आर्थिक संबल

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : बुधवार को समाहरणालय, पाकुड़ में उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा राज्य से बाहर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु के उपरांत उनके आश्रितों को मुख्यमंत्री अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक सहायता योजना के तहत श्रम विभाग द्वारा स्वीकृत सहायता राशि का वितरण चेक के माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर सालेमा बीबी, ग्राम- इलामी, पाकुड़ को दुर्घटना में मृत्यु होने के कारण 1 लाख 50 हजार रुपये तथा नुगनु हाँसदा, ग्राम- अमड़ापाड़ा संथाली (अमड़ापाड़ा), मागी पहाड़िन, ग्राम- छोटाजारा, पंचायत- सोनाधनी (लिट्टीपाड़ा) एवं सिलीफन हेम्ब्रम, ग्राम- प्रतापपुर, पोस्ट- देवीनगर (महेशपुर) को सामान्य मृत्यु के मामलों में 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।ज्ञात हो कि श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक सहायता योजना के अंतर्गत अपंजीकृत प्रवासी श्रमिक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उसके वैध आश्रित को एकमुश्त 1,50,000 रुपये तथा सामान्य मृत्यु होने पर मृतक के पार्थिव शरीर को पैतृक आवास तक लाने हेतु 50,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का प्रावधान है। इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों एवं उनके परिवारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने कमाऊ सदस्य को खोना अत्यंत पीड़ादायक होता है। ऐसी परिस्थितियों में सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने का कार्य करती है। उन्होंने जिले के श्रमिकों से अपील किया कि वे श्रम विभाग में अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोध दिवस एवं (नालसा का डॉन योजना) पर जागरूकता शिविर का आयोजन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में आज उच्च माध्यमिक विद्यालय रामचंद्रपुर में अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस को लेकर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया।उक्त कार्यक्रम में डालसा सचिव रूपा बंदना किरो, डीएसपी मुख्यालय उज्जवल कुमार साहा, लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख,नरोत्तमपुर के मुखिया झरना मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।उक्त कार्यक्रम में सचिव रूपा बंदना किरो ने छात्र छात्राओं को नशा निषेध दिवस पर कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। इस दौरान कहानी के माध्यम से सचिव ने बताया कि नशा युवाओं को किस प्रकार अपने लक्ष्य से भटकाकर भविष्य निर्माण में बाधा डालते हैं। छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने उसके दुष्प्रभाव पर विस्तृत जानकारी दी। जीवन को हां नशे को ना स्लोगन के साथ खुद और आस पड़ोस और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की।डीएसपी मुख्यालय उज्जवल कुमार साहा ने छात्र छात्राओं को सरल भाषा में समझाया कि नशा ही अपराध को जन्म देता है और इससे घर परिवार पर ऐसा असर होता है कि सब बिखर जाते हैं। नशा से लोग सोचने समझने की शक्ति खो देते है और हत्या, रेप, चोरी, लुट मारपीट घरेलू हिंसा को जन्म देते हैं। इस दौरान नशे के नकारात्मक प्रभाव पर विस्तृत जानकारी दी।लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख ने मादक द्रव्यों के दुरुपयोग से मानसिक शारीरिक आर्थिक दुष्प्रभाव पर विस्तृत जानकारी अवैध तस्करी को लेकर कानूनी एक्ट पर जानकारी दी। नशे से दूर रहने की अपील की।प्रिंसिपल अमित कुमार ठाकुर ने नशे के खिलाफ एकजुट होकर जागरूकता फैलाने की बात कही। इस दौरान शिक्षक अंजना टोप्पो द्वारा सामूहिक रूप से मादक द्रव्य के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध एकजुट होकर शपथ ली। जिसमेंहानिकारक अथवा अवैध पदार्थ का सेवन नहीं करने, युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाइयां के दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूकता फैलाने,भारत के विशेषकर युवावर्गों को नशा मुक्त जीवन यापन एवं समाज के रचनात्मक एवं महत्वपूर्ण सदस्य बन सके इसके लिए नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन यापन करने का संकल्प लिया गया।मौके एएसआई गोविंद कुमार साहा,पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के कर्मी शिक्षक शिवम कुमार शाहिद आलम पैरा लीगल वॉलिंटियर्स सायेम अली, उत्पल मंडल, नीरज कुमार राउत, सामाजिक कार्यकर्ता नसरुद्दीन शेख छात्र छात्रा उपस्थित रहें। छात्रा जैनब खातून हनीफा खातून सुमी खातून ने नशा के खिलाफ मंच पर अपने विचार व्यक्त किया। इस दौरान मंच का संचालन इंडियन नेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड एच विश्वास ने की। इस मौके पर नशे के विरुद्ध जेड एच विश्वास ने अपने बातों से जागरूक किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में वीडियो क्लिक के माध्यम से नालसा के डॉन योजना पर जागरूकता किया गया एवं नालसा के टॉल फ्री नंबर 15100 पर कानूनी जानकारी प्राप्त करने को लेकर संपर्क करने को कहा गया।

विद्यार्थियों को नशा, साइबर अपराध और सामाजिक कुरीतियों के प्रति किया गया जागरूक

पाकुड़। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर बुधवार को पाकुड़ जिले के विभिन्न विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्रों को नशा मुक्ति, साइबर अपराध, यातायात नियमों और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया।अभियान के तहत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केकेडीएम उच्च विद्यालय, झिकरहाट्टी, लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के सरस्वती शिशु विद्यालय, लिट्टीपाड़ा तथा मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र के नगरनवी उच्च विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़, पुलिस निरीक्षक तथा संबंधित थाना प्रभारियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने छात्रों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने की अपील की।पुलिस अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन करने का संदेश दिया।इसके अलावा बाल विवाह, बाल मजदूरी, दहेज प्रथा और डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और इससे शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं डायन प्रथा को अंधविश्वास पर आधारित अमानवीय कुप्रथा बताते हुए इसके खिलाफ जागरूक रहने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की भी जानकारी दी गई। साथ ही छात्रों को आपातकालीन सहायता के लिए डायल-112 तथा साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराधों की शिकायत के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर समाज को नशामुक्त, सुरक्षित और कुरीतिमुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

आपका प्यार और विश्वास कभी नहीं भूलूंगा, शैतानखाना मोड़ से इलामी तक बनेगी पीडब्लूडी चौड़ी सड़क और मिलेगी 20-22 घंटे बिजली: आलमगीर आलम

पाकुड़। सदर प्रखंड अंतर्गत इलामी पंचायत में बुधवार को आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम कांग्रेस कार्यकताओं और स्थानीय ग्रामीणों के उत्साह से सराबोर रहा। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लंबे समय बाद क्षेत्र में पहुंचे पूर्व मंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। उनके पहुंचते ही कार्यकताओं ने फूल-मालाओं, बुके और शॉल ओढ़ाकर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी उदय लखमणी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार सरकार, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मंसारुल हक, शाहीन परवेज, पियारूल इस्लाम,फिरोज आलम, हबीबुर रहमान, इलामी पंचायत के मुखिया अब्दुल समद, नवादा पंचायत के मुखिया हजरत बिलाल समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे। मंच संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी अनवर हुसैन ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेसी नेता मोहम्मद नसीम आलम ने अपने जोशीले भाषण से उपस्थित लोगों में उत्साह का संचार किया। उन्होंने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकुड़ विधानसभा के लिए आलमगीर आलम केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं बल्कि जननायक और विकास पुरुष हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए आलमगीर आलम हमेशा तत्पर रहे हैं।

भावुक हुए आलमगीर आलम, जनता का जताया आभार:अपने संबोधन के दौरान पूर्व मंत्री आलमगीर आलम काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि इलामी, तारानगर, रहसपुर और नवादा पंचायत के लोगों से उनका वर्षों पुराना आत्मीय रिश्ता है, जिसे वे जीवनभर नहीं भूल सकते। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें जेल भेज दिया गया था और चुनाव के दौरान भी वे जेल में ही बंद थे। उस कठिन समय में उन्होंने अपने समर्थकों और कार्यकताओं को एक ही संदेश दिया था कि वे खुद को आलमगीर आलम समझकर जनता के बीच जाएं और उनकी धर्मपत्नी निसात आलम को भारी मतों से विजयी बनाएं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने उनके संदेश को दिल से स्वीकार किया और निसात आलम को पूरे झारखंड में सर्वाधिक मतों के अंतर से जीत दिलाकर विधानसभा भेजने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास और प्रेम का परिचय दिया है, उसका ऋण वे कभी नहीं चुका सकते।जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री ने क्षेत्र के विकास को लेकर दो महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि शैतानखाना मोड़ से इलामी तक पीडब्ल्यूडी सड़क का निर्माण और चौड़ीकरण जल्द कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने बिजली व्यवस्था में सुधार का आश्वासन देते हुए कहा कि आने वाले समय में पाकुड़ जिले के लोगों को 20 से 22 घंटे तक बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा।उन्होंने कहा कि जनता की ओर से जो भी मांगें और समस्याएं उनके समक्ष रखी गई हैं, उन सभी पर गंभीरता से विचार करते हुए समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा।अपने संबोधन के अंत में आलमगीर आलम ने भावुक अंदाज में कहा कि जनता ने उन्हें जो सम्मान, स्नेह और प्यार दिया है, वही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि वे किसी पद पर रहें या न रहें, लेकिन जनता ने उन्हें जिस मुकाम तक पहुंचाया है, उसे वे कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी वे जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री के संबोधन को सुना। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मोहर्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक- चौबंद: सिंदरी, बलियापुर एवं गौशाला पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

सिंदरी/ धनबाद। आगामी 26 जून को मोहर्रम पर्व के मद्देनजर सिंदरी थाना, बलियापुर थाना एवं गौशाला ओपी की संयुक्त पुलिस टीम ने बलियापुर और सिंदरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों को सुरक्षा का विश्वास कायम करना तथा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना था। फ्लैग मार्च बलियापुर, सिंदरी और गौशाला के विभिन्न बाजारों, मुख्य मार्गो तथा संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने ,अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। इस मार्च का नेतृत्व सीआई मैडम नूतन मोदी ने किया। उनके साथ सिंदरी थाना प्रभारी राजेश कुमार, बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार और गौशाला ओपी प्रभारी शंभू नाथ सिंह मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील जगहों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

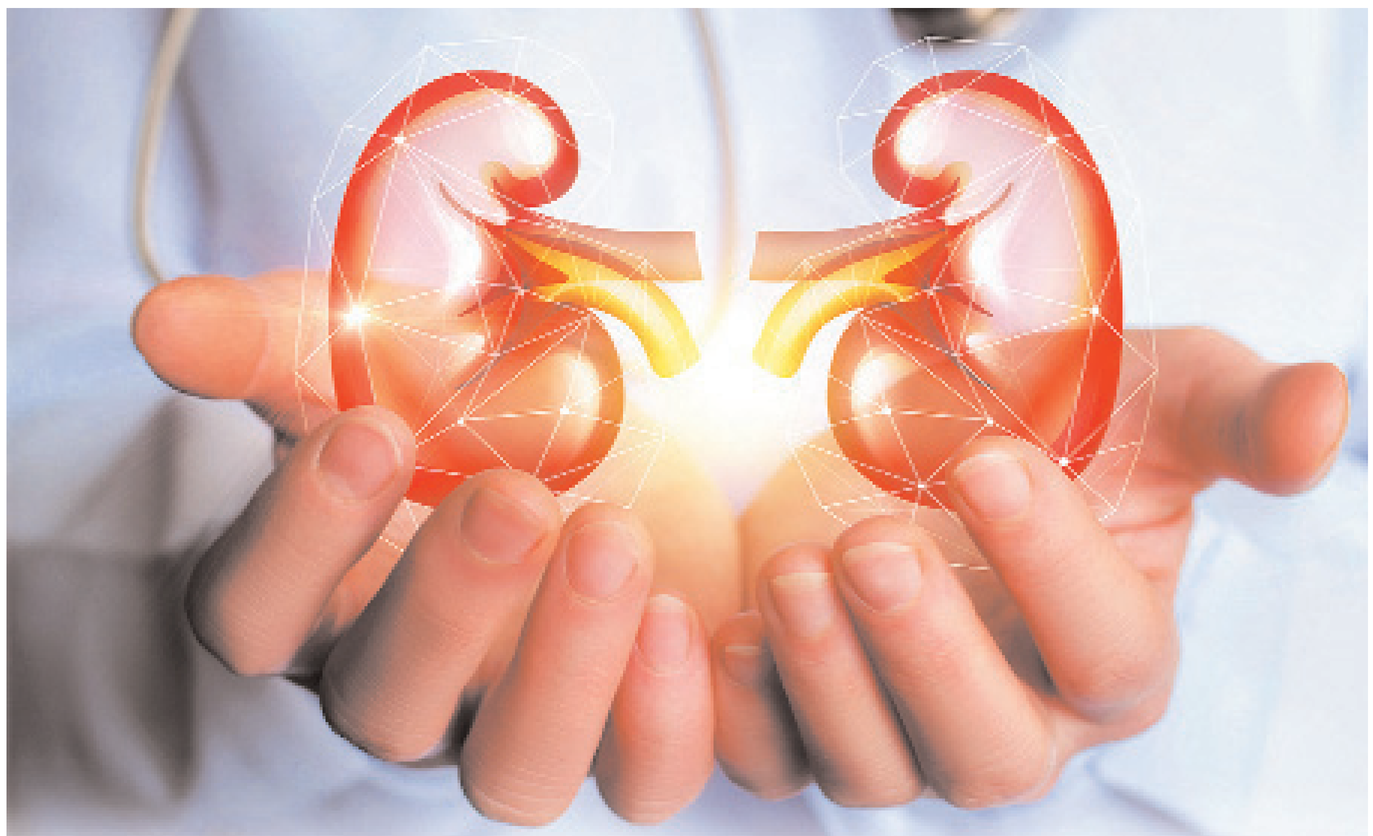

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

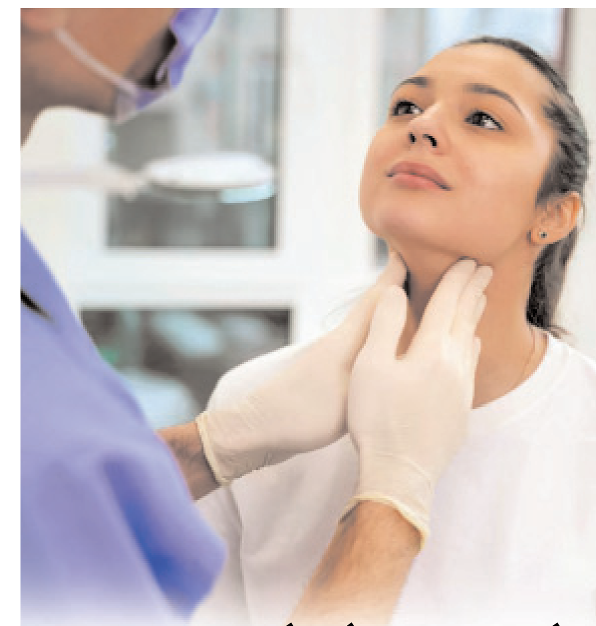

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को क्षतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

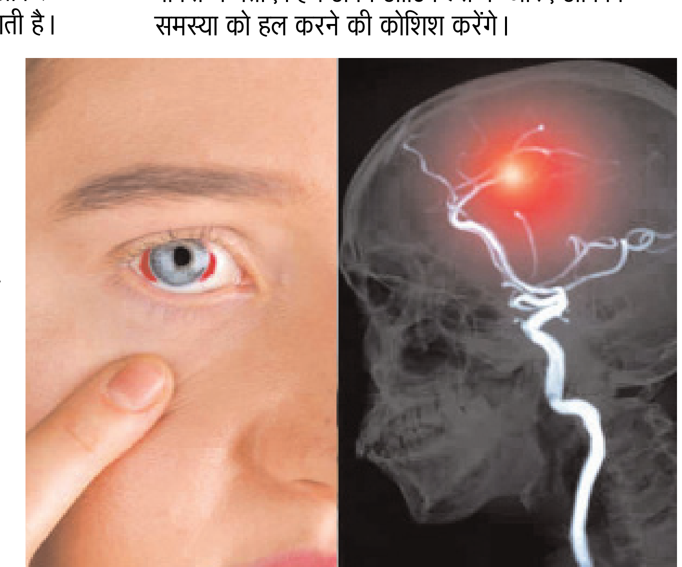

मोदी को ईरान जाना चाहिए या नहीं जाना चाहिए? इस सवाल का जवाब आपको यहाँ मिल जायेगा

सचिन कुमार सिंह, प्रधान संपादक

यदि भारत के पिछले कूटनीतिक व्यवहार और वर्तमान वैश्विक समीकरणों को देखा जाए तो संभावना यही दिखाई देती है कि भारत अत्यंत सतर्क और संतुलित रास्ता अपनाएगा। संभव है कि भारत प्रधानमंत्री स्तर पर प्रतिनिधित्व न भेजे और किसी वरिष्ठ मंत्री या विशेष दूत को समारोह में शामिल होने के लिए भेजे। वैसे तो अक्सर तमाम देशों के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश में आने का निमंत्रण देते रहते हैं और प्रधानमंत्री उन्हें स्वीकार भी करते रहे हैं लेकिन ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐसा निमंत्रण भेजा है जिससे भारत के लिए कूटनीतिक धर्मसंकट जैसी स्थिति पैदा हो गयी है। दरअसल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई का राजकीय अंतिम संस्कार किया जाना है जिसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रण भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार इस निमंत्रण पर चर्चा कर रही है और जल्द ही इस पर फैसला ले लिया जायेगा। बताया जा रहा है कि चार जुलाई से नौ जुलाई तक तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले इन समारोहों में करोड़ों लोगों और दुनिया भर के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। खामेनेई का पार्थिव शरीर पहले तेहरान के ग्रैंड मुसल्ला परिसर में आम लोगों के दर्शन के लिए रखा जाएगा, फिर राजकीय अंतिम यात्रा निकलेगी और अंत में उन्हें मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द ए खाक किया जाएगा।

गौरतलब है कि खामेनेई की मृत्यु 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिकी और इजराइली हमलों में हुई थी। इस हमले में ईरान के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मारे गए थे। भारत ने खामेनेई की मृत्यु पर पहले ही संवेदना व्यक्त की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए थे। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होंगे? यदि भारत के पिछले कूटनीतिक व्यवहार और वर्तमान वैश्विक समीकरणों को देखा जाए तो संभावना यही दिखाई देती है कि भारत अत्यंत सतर्क और संतुलित रास्ता अपनाएगा। संभव है कि भारत प्रधानमंत्री स्तर पर प्रतिनिधित्व न भेजे और किसी वरिष्ठ

मंत्री या विशेष दूत को समारोह में शामिल होने के लिए भेजे।

इसके पीछे कई कारण हैं। पहला कारण भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति है। भारत एक ओर ईरान के साथ ऐतिहासिक और सामरिक संबंध बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर अमेरिका और इजराइल के साथ भी उसके गहरे रणनीतिक संबंध हैं। आज भारत रक्षा, प्रौद्योगिकी, निवेश और भू रणनीतिक सहयोग के मामले में अमेरिका और इजराइल दोनों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का तेहरान जाकर उस नेता के अंतिम संस्कार में शामिल होना, जिसकी मृत्यु अमेरिकी और इजराइली हमले में हुई हो, एक मजबूत राजनीतिक संकेत माना जाएगा। भारत शायद ऐसा संदेश देने से बचेगा। दूसरा कारण पश्चिम एशिया में भारत की व्यावहारिक नीति है। भारत लंबे समय से इस क्षेत्र में किसी एक खेमे का हिस्सा बनने से बचता आया है। चाहे सऊदी अरब हो, संयुक्त अरब अमीरात हो, इजराइल हो या ईरान, भारत ने सभी के साथ अलग अलग हितों के आधार पर संबंध बनाए रखे हैं। यही भारत की स्वतंत्र कूटनीति की पहचान भी है। भारत जानता है कि पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम करते हैं, वहां से ऊर्जा आपूर्ति होती है और व्यापारिक हित भी जुड़े हैं। इसलिए वह किसी भी ऐसे कदम से बचना चाहेगा जिससे किसी एक पक्ष को स्पष्ट समर्थन का संदेश जाए।

देखा जाये तो ईरान से मिले निमंत्रण पर फैसला कर पाना भारत के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उसने खाड़ी देशों के साथ अपने संबंधों को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों के साथ भारत की ऊर्जा, निवेश और सामरिक साझेदारी लगातार गहरी हुई है। यही वजह है कि जब ईरानी हमलों से खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा था तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई खाड़ी देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत कर ऐसे हमलों को अस्वीकार्य बताया था और क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर दिया था। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री स्वयं तेहरान जाकर उस नेतृत्व के अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं जिसे लेकर पश्चिम एशिया की राजनीति पहले से ध्रुवीकृत है, तो इससे भारत के हाल के कूटनीतिक संदेशों को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं। इसी कारण अधिक संभावना इस बात की मानी जा रही है कि भारत सम्मान और संतुलन दोनों बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री की जगह किसी वरिष्ठ प्रतिनिधि को भेजने का रास्ता चुन सकता है।

वैसे ऐसा भी नहीं है कि भारत ईरान को नजरअंदाज करेगा। चाबहार बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा और मध्य एशिया तक पहुंच जैसे कई महत्वपूर्ण रणनीतिक हित भारत को ईरान से जोड़ते हैं। अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक बिना पाकिस्तान के रास्ते पहुंचने के लिए ईरान भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए भारत ईरान के साथ संवाद और सम्मान का रिश्ता बनाए रखेगा और संभव है कि भारत एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजकर यह संदेश दे कि वह ईरान की संवेदनाओं को समझता है, लेकिन साथ ही वह किसी टकराव की राजनीति का हिस्सा नहीं बनेगा। अब सवाल यह भी है कि ईरान ने भारत को यह निमंत्रण देकर आखिर कौन-सी कूटनीति साधने की कोशिश की है? दरअसल ईरान इस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने लिए व्यापक समर्थन और नैतिक वैधता जुटाने में लगा है। अमेरिका और इजराइल के साथ टकराव के बीच ईरान यह दिखाना चाहता है कि वह अकेला नहीं है और दुनिया के प्रभावशाली देश उसके साथ संवाद बनाए हुए हैं। भारत जैसे वैश्विक शक्ति केंद्र को निमंत्रण देकर ईरान यह संदेश देना चाहता है कि वैश्विक स्तर पर उसकी स्वीकार्यता बनी हुई है।

इसके अलावा, ईरान भारत की उस छवि का भी उपयोग करना चाहता है जो गुटनिरपेक्ष और स्वतंत्र विदेश नीति वाले देश की रही है। यदि भारत का कोई उच्च स्तरीय प्रतिनिधि तेहरान पहुंचता है तो ईरान इसे अपनी कूटनीतिक सफलता के रूप में प्रस्तुत करेगा। इससे पश्चिम एशिया के शिया समुदायों और ईरान समर्थक देशों के बीच भी एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि भारत ने कठिन समय में ईरान से दूरी नहीं बनाई। बहरहाल, इतिहास के पन्नों को पलटें तो यह साफ दिखाई देता है कि किसी दूसरे देश के हमले में मारे गए शीर्ष नेताओं के अंतिम संस्कार में विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी अक्सर नहीं रही है। हालांकि कुछेक उदाहरण जरूर मिलते हैं जैसे वर्ष 2020 में अमेरिकी हमले में मारे गए ईरानी सेनापति कासिम सुलेमानी के अंतिम संस्कार में इराक, सीरिया और लेबनान के कई शीर्ष नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इसी तरह वर्ष 1986 में अमेरिकी बमबारी में मारे गए लीबिया के लोगों के प्रति संवेदना जताने कई देशों के प्रतिनिधिमंडल त्रिपोली पहुंचे थे।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। पारिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी आंदोलन होना चाहिए

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2026 पेपर लीक इन दिनों मामला सुर्खियों में है। 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा पेपर लीक के बाद रद्द कर दी गई थी जिसके बाद परीक्षा के लिए नई तारीखों की घोषणा की गयी थी। 21 जून को पुनर्परीक्षा संपन्न हो चुकी है। नयी नवेली कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। आखिरकार ये परीक्षा की शुचिता के साथ ही साथ लाखों छात्रों के भविष्य का प्रश्न जो ठहरा।

इस घटना के दो पक्ष हैं। एक पेपर लीक करने वाले और दूसरे पेपर खरीदने वाले। पेपर लीक करने और बेचने वालों का तंत्र देश में मौजूद है। इस तंत्र या रैकेट का मकसद परीक्षा की शुचिता भंग कर, मोटी कमाई करना होता है। आजाद भारत का इतिहास देखें तो हजारों छोटी बड़ी परीक्षाओं के पेपर अब तक लीक हो चुके हैं। इस तंत्र की पहुंच इतनी ऊपर और इतने स्तर पर होती है कि असली गुनहगार कानून के शिकंजे से बच जाते हैं। वहीं, पेपर लीक करने और बेचने वालों के खिलाफ कभी ऐसे कड़ी कार्रवाई भी नहीं हुई, जो दूसरों के लिए नजीर बनती। दो चार दिन के हो हल्ले और बयानबाजी के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है।

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है। पेपर लीक मामले में एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार को सरकार ने पद से हटा दिया है। इस प्रकरण का दूसरा पक्ष पेपर खरीदने वालों का है। इस पक्ष की चर्चा न के बराबर है। पेपर खरीदने वालों की एक जमात हमारे समाज में सदा से विद्यमान है। जो येन केन प्रकारेण दाखिले से लेकर नौकरी के लिये पेपर खरीदने से लेकर तमाम गैर कानूनी काम से करने से बाज नहीं आती। चूंकि समाज में ऐसे लोग भी हैं जो परिश्रम के बजाय तिकड़म के सहारे सफल होना चाहते हैं। ऐसे में ये लोग लाखों रुपये में पेपर खरीदने का पा करते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार का पुराना घुन लगा ही हुआ है। ऐसे में मोटी कमाई के लालच में पेपर लीक करने वाले सजा या दंड की परवाह किये बिना परीक्षा की शुचिता को तार–तार करने का दुस्साहस करते हैं।

पेपर लीक होने पर अभ्यर्थी, अभिभावक, समाज सेवी, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता सरकार, प्रशासन और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और आंदोलन करते हैं। सोशल मीडिया पर लंबे चौड़े पोस्ट लिखे जाते हैं। ये गुस्सा और नाराजगी जायज भी है। वास्तव में, किसी परीक्षा की शुचिता कायम रखना संबंधित विभाग, एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी होता है। किसी भी स्तर पर चूक से लाखों अभ्यर्थी और उनके परिवार प्रभावित होते हैं। लेकिन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और गुस्सा प्रकट करने वाले कभी पेपर खरीदने वालों के खिलाफ कोई प्रदर्शन या आंदोलन नहीं करते। उसूलन,पेपर खरीदने वाले भी पेपर बेचने वालों जितने बराबर के दोषी हैं। गलत तरीके से परीक्षा पास करने की चाहत रखने वाले चंद भ्रष्ट अभ्यर्थियों और अभिभावकों के कारण परिश्रमी अभ्यर्थियों के सपने चकनाचूर होते हैं। ऐसे में आंदोलन, प्रदर्शन के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी होनी चाहिए।

जब समाज में नैतिकता का स्तर ऊंचा होगा तो गलत काम करने वाले निरूत्साहित होंगे। लेकिन जब समाज स्वयं अनैतिक कृत्यों में शामिल होगा या उसका भागीदार बनेगा तो सख्त से सख्त कानून और फूलप्रूफ व्यवस्था के भी नाकाम होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नीट यूजी मामले में समाज के चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों में पेपर खरीदा। लेकिन पेपर लीक होने का असर 22 लाख अभ्यर्थियों पर पड़ा। मतलब, समाज की चंद गंदी मछलियों का भुगतान पूरे तालाब की मछलियों को उठाना पड़ा। ऐसे में चंद गंदी मछलियों की खिलाफत भी जरूरी है। नीट पेपर लीक केस में लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। देश के सात राज्यों में लीक हुए इस पेपर को जयपुर के जमवारामगढ़ के मांगीलाल और दिनेश ने 26 अप्रैल को ही 30 लाख में खरीदा था। इन दोनों भाइयों ने सीकर में तैयारी कर रहे अपने बेटे को यह पेपर दिया। उसके बाद दोनों भाई सीकर पहुंचे और वहां 29 अप्रैल कई लोगों को सीकर में बेचा। इस परिवार से पिछले साल ही चार बच्चे नीट में चयनित हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, माफियाओं ने छात्रों को 5 से 50 लाख रुपये में पेपर बेचा था। सुरक्षा के नाम पर दलालों ने छात्रों के ब्लेंक चेक और ओरिजनल मार्कशीट गिरवी रख ली थी। भुगतान को लेकर दलालों और परिजनों में विवाद भी हुआ। अब समाज की इस मनोवृत्ति और कृत्य को क्या संज्ञा दी जाए?

राजनय की मजबूती

भारत और ब्रिटेन के बीच जो नजदीकी देखी गई है, उसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा दर्ज करने लायक मोड़ साबित हो सकता है। ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहता है, साथ ही, रक्षा मामलों में भी भारत के साथ सहयोग बेहतर करने को लालायित है। हो सकता है, ब्रिटेन की यह कोशिश इसलिए भी हो कि रूस पर भारत की निर्भरता कम हो जाए, लेकिन तब भी भारत जिस तरह से अपना हित देखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है, वह मानीखेज है। खास कामयाबी यह कि ब्रिटेन भारत को एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस जारी करेगा, जिससे रक्षा खरीद आपूर्ति में कम समय लगेगा। इसके अलावा ब्रिटेन लड़ाकू जेट बनाने में भी भारत की मदद करेगा। हिंद महासागर में भारत की ताकत बढ़ाने की दिशा में भी वह मदद करना चाहता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य क्षेत्र में ब्रिटेन ने भारत में निवेश बढ़ाने की बात भी की है। इतना ही नहीं, दोनों देश इसी साल के अंत तक एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता भी करने वाले हैं। इस तरह का समझौता पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन अगर ब्रिटेन इस दिशा में अब बढ़ रहा है, तो भारत की बढ़ी हुई अहमियत को हम नजरंदाज नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन के बीच जो गर्मजोशी देखी गई है, उस पर न केवल भारतीय कूटनीतिज्ञों, बल्कि दुनिया की भी नजर होगी। दोनों ही नेता परस्पर संबंध विस्तार के लिए व्यग्र नजर आ रहे हैं, तो दुनिया के बदलते हालात की भी इसमें भूमिका है। कूटनीतिज्ञ भी इस बात को रेखांकित करते हैं कि विश्व की राजनीति में आज भारत का जो महत्व है, वह पहले नहीं था। पहले अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भारत व पाकिस्तान के साथ एक समान व्यवहार के लिए बाध्य दिखते थे। शीतयुद्ध के दौर में दोनों देशों को एक ही तराजू पर रखकर चलने की वैश्विक कोशिश ने भारत को कई बार बहुत निराश किया है। हम अपना पक्ष रखते तो थे, लेकिन उससे लाभ नहीं ले पाते थे। अब ऐसा लगता है कि दुनिया खुद आगे बढ़कर भारत के बारे में सोचना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्री हों या रूसी विदेश मंत्री या चीनी विदेश मंत्री या अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, ये तमाम यात्राएं भारतीय शक्ति का प्रमाण हैं।

हमें पाकिस्तान के साथ तौलने का पश्चिमी तराजू अब शायद टूट चुका है। हमें विश्व-राजनय में अपनी वाजिब जगह और मजबूती, दोनों को कायम रखना है। एक और ताजा मामला देखें, तो एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने पाक-अधिकृत कश्मीर की यात्रा की, जिस पर भारत ने आपत्ति जताई, इसके बाद अमेरिकी सरकार को स्पष्ट करना पड़ा कि डेमोक्रेट सांसद की यात्रा से बाइडन सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। दुनिया में अभी कोई ऐसा देश नहीं है, जो भारत को रूस का पुराना साथी होने के नाते कठघरे में खड़ा कर दे। भारत बहुत संभलकर चल रहा है। वह न तो रूस के खिलाफ गया है, न ही यूक्रेन के विरोध में खड़ा दिखा है। यह संतुलन भारतीय राजनय का नया सशक्त पहलू है। हर हाल में भारत को अपना हित देखते हुए चलना है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना है कि भारत सिर्फ बाजार नहीं है, कोई भी देश भारत को सिर्फ बाजार मानकर न चले। संबंधों का विस्तार उन्हीं देशों के साथ होना चाहिए, जिनको हमारी पीड़ाओं का भी अंदाजा हो। राजनय की मजबूती देश के विकास में साकार होनी चाहिए।

मानव जीवन की रक्षा के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति उपेक्षा का ही परिणाम है कि हमारे द्वारा कहीं फैक्ट्रियों का गन्दा जल हमारे पीने के पानी में मिलाया जा रहा है तो कहीं गाड़ियों से निकलता धुआं हमारे जीवन में जहर घोल रहा है और घूम फिर कर यह हमारी पृथ्वी को दूषित बनाता है। पृथ्वी दिवस पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम इन्वेस्ट इन अवर प्लैनेट है, जो हमें हरित समृद्धि से समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह थीम संदेश देती है कि हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। पिछले कुछ समय से कोरोना महामारी एवं महासंकट ने न केवल इंसानों के जीवन को खतरे में डाला है बल्कि पृथ्वी, प्रकृति एवं पर्यावरण पर भी उसके घातक असर डाला है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं कोरोना के जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती इलाके चपेट में आ जाएंगे। कोरोना महामारी जैसी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी।

पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति उपेक्षा का ही परिणाम है कि हमारे द्वारा कहीं फैक्ट्रियों का गन्दा जल हमारे पीने के पानी में मिलाया जा रहा है तो कहीं गाड़ियों से निकलता धुआं हमारे जीवन में जहर घोल रहा है और घूम फिर कर यह हमारी पृथ्वी को दूषित बनाता है। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है। आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है।

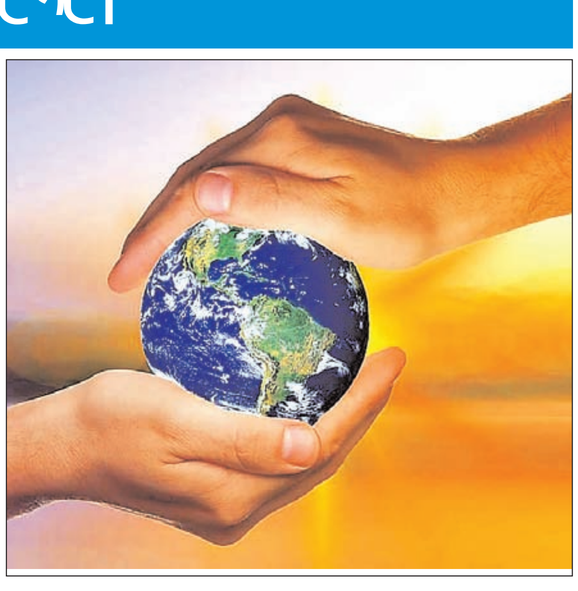

भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में महापंचायत, हजारों गाड़ियां पहुंचीं, गांव में लगा 'शहीद भरत नगर' का बोर्ड

एजेंसी

बिहार: भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर बुधवार को बिलौटी गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया है. गांव से लेकर हाईवे तक भरत तिवारी के पोस्टर लगाए गए हैं. पोस्टरों में उन्हें शहीद बताते हुए न्याय की मांग की गई है.महापंचायत को लेकर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचने लगे. आयोजकों का दावा है कि कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है. दोपहर तक करीब एक हजार से ज्यादा गाड़ियां पहुंच चुकी हैं.

तिरंगा लेकर पहुंचे समर्थक, लगे नारे

महापंचायत से पहले कई समर्थक तिरंगा लेकर भरत तिवारी के घर पहुंचे. इस दौरान भरत तिवारी अमर रहे के नारे लगाए गए. कुछ लोगों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की. गांव में माहौल पूरी तरह आंदोलनकारी नजर आया. विभिन्न जिलों से पहुंचे लोग भरत तिवारी को न्याय दिलाने की मांग करते दिखे.

यूपी और बिहार से जुट रहे लोग

महापंचायत में उत्तर प्रदेश के कुछ ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की चर्चा है. भोजपुर के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं. जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी पटना से निकल चुके हैं. जल्द ही कार्यक्रम में शामिल होंगे.

एनकाउंटर के बाद लगातार बढ़ा विवाद

17 जून को भोजपुर में पुलिस कार्रवाई के दौरान भरत तिवारी की मौत हुई थी. इसके बाद परिजनों ने एनकाउंटर पर सवाल उठाए थे. भरत की मां ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. मामले में जगदीशपुर एसडीपीओ, शाहपुर थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज किया जा चुका है.

SDPO लाइन हाजिर, न्यायिक जांच के आदेश

मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है. वहीं मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए हैं. हालांकि जांच किस न्यायिक अधिकारी को सौंपी जाएगी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है.

गांव का नाम बदलकर लिखा शहीद भरत नगर

महापंचायत से पहले समर्थकों ने बिलौटी टाड़ इलाके के बोर्ड पर नया नाम लिख दिया. बोर्ड पर शहीद भरत नगरह्व लिखा गया है. समर्थकों का कहना है कि भरत तिवारी ने गांव और बाढ़ पीड़ितों के लिए संघर्ष किया था. इसलिए उनके सम्मान में गांव का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए.

भाई चंदन ने रखी प्रमुख मांगें

भरत तिवारी के भाई चंदन तिवारी ने कहा कि उनके भाई जनता की समस्याओं के लिए संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन मुद्दों को लेकर भरत आवाज उठा रहे थे, उन्हें जल्द पूरा किया जाए. उन्होंने कहा कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए.

महापंचायत में उठी न्याय की मांग

महापंचायत में शामिल लोगों ने निष्पक्ष जांच, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और बाढ़ प्रभावित गांवों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई. लोगों का कहना है कि भरत तिवारी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे थे।

मेहमानजी गेस्ट में आइने से रखी जाती थी नजर, पुलिस के पहुंचते ही मच गई अफरा-तफरी

एजेंसी

सहरसा : बिहार के सहरसा में एक्शन देखने को मिला है. शहर के रिफ्यूजी कॉलोनी चौक स्थित मेहमानजी गेस्ट हाउस में पुलिस ने कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक महिला समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है. इस कार्रवाई के बाद रिफ्यूजी कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का माहौल है. पुलिस ने एक आईना बरामद किया है. कहा जाता है कि एक शख्स गेस्ट हाउस के अंदर कुर्सी पर बैठकर इसी आईने से देखता था कहीं पुलिस तो नहीं आ रही है.

गेस्ट हाउस को किया गया सील : सदर थाना और महिला थाना की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के सत्यापन के बाद छापेमारी की कार्रवाई की. मामले की गंभीरता को देखते हुए गेस्ट हाउस को सील कर दिया गया है तथा फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम को जांच में लगाया गया है. पुलिस अब मोबाइल कॉल डिटेल्स, गेस्ट हाउस रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों की जांच कर पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है.

दीवार फांदकर भागी लड़कियां : पुलिस के अनुसार छापेमारी के दौरान गेस्ट हाउस से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है. वहीं कुछ महिलाएं और युवतियां पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही पीछे की दीवार फांदकर फरार हो गईं, जिनकी पहचान और तलाश की जा रही है.

कई संदिग्ध वस्तुओं को किया गया जब्त : पुलिस सूत्रों के मुताबिक हिरासत में लिए गए लोगों में गेस्ट हाउस की एक महिला कर्मी शामिल है. पकड़े गए पांच पुरुषों में दो बैजनाथपुर और तीन दरभंगा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं. छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई संदिग्ध वस्तुओं को जब्त किया है, जबकि एफएसएल टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं.

बिहार में तो हद हो गई..! मछली नहीं मिला तो जान से मार डाला

एजेंसी

खगड़िया : बिहार के खगड़िया में मंगलवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात हुई. जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कोठिया मधुवा घाट पर मुफ्त में मछली नहीं देने पर बदमाशों ने दो मछुआरों पर हमला कर दिया. इस हमले में 40 वर्षीय रामबालक सहनी की मौत हो गई. जबकि उसके साथी दामोदर सहनी गंभीर रूप से घायल हो गए.

खगड़िया में खेला गया खूनी खेल

जानकारी के अनुसार, दोनों मछुआरे नाव पर सवार होकर बूढ़ी गंडक नदी में मछली पकड़ रहे थे. इसी दौरान कुछ बदमाश वहां पहुंचे और उनसे मछली की मांग करने लगे. उस समय उनके पास मछली नहीं थी, जिससे बदमाश नाराज हो गए. थोड़ी देर बाद तीन बदमाश हथियारों के साथ लौटे और नाव को किनारे लगवाकर दोनों पर पतवार और बांस के बल्लों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया.

मछली नहीं मिलने पर मार डाला

हमले में रामबालक सहनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दामोदर सहनी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल ने बताया कि बदमाश अक्सर नदी में मछली पकड़ने वालों से मुफ्त में मछली ले जाते थे. इस बार मछली नहीं मिलने पर उन्होंने जानलेवा हमला कर दिया.

पुलिस की कार्रवाई शुरू

घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना अध्यक्ष अमरजीत प्रताप सिंह अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल भेजा और स्थिति का जायजा लिया. वहीं सदर एसडीपीओ- 1 मुकुल कुमार रंजन सदर अस्पताल पहुंचे और घायल व परिजनों से जानकारी ली.

इलाके में दहशत का माहौल

ग्रामीणों का कहना है कि बदमाश लंबे समय से मछुआरों को परेशान करते रहे हैं. वे अक्सर नाव पर चढ़कर मुफ्त में मछली ले जाते थे. इस बार उनकी मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने हत्या जैसी वारदात को अंजाम दिया. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है.

प्रशासन की चुनौती

स्थानीय लोगों का कहना है कि खगड़िया में लगातार आपराधिक घटनाओं से कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. हाल ही में जिले में कई आपराधिक घटनाएं सामने आई हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है. प्रशासन के लिए यह घटना बड़ी चुनौती है. पुलिस का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

दीघा में दो दारोगा को मारी गोली, सवाल उठा-जंगलराज या पुलिस से असंतोष

बिहार : बिहार की राजधानी पटना में अज्ञात युवकों ने दो दारोगा रैंक के पुलिस पदाधिकारी को गोली मार दी. इस घटना में एक दारोगा की मौत हो गई है, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है. घटना पटना के दीघा थाना क्षेत्र की है. घटना के पहले युवकों ने दोनों दारोगा को पहले दौड़ाया, फिर गोली मारी.इस घटना के बाद बिहार में नये सिरे से हालात पर चर्चा शुरू हो गई है. कुछ लोग इसे बिहार में अपराधियों का राज यानी जंगलराज बता रहे हैं. कह रहे हैं कि सम्राट चौधरी से बिहार संभल नहीं रहा है. वहीं कुछ लोग पुलिस के काम-काज के तरीकों पर सवाल उठा रहे हैं.पुलिस पर सवाल उठाने वाले कह रहे हैं कि जिन युवकों ने दोनों दारोगा को गोली मारी है, वह अपराधी नहीं हैं. इसका मतलब है कि वे पुलिस से परेशान थे. पुलिस के प्रति उनके मन में असंतोष है.उल्लेखनीय है कि सरेंडर करने और हथियार फेंक देने के बाद भी भोजपुर में भरत तिवारी का एनकाउंटर करने पर पूरे राज्य में पुलिस के प्रति लोगों में गुस्सा है. ऐसे में पुलिस विभाग को अपने काम-काज को गंभीरता से समीक्षा करने की जरूरत बतायी जा रही है. क्योंकि जिस तरह पुलिस लोगों को परेशान करती है, वह किसी से छिपा नहीं है.

एक झटके में उजड़ गई कई जिंदगियां! मोतिहारी में पिकअप और टेंपो की टक्कर से मचा कोहराम

एजेंसी

बिहार: मोतिहारी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है. छपवा-बेतिया रोड पर नयका टोला के समीप पिकअप और टेंपो के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए. दुर्घटना के बाद कई यात्री वाहन में फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया.

मौके पर मची चीख-पुकार

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को वाहन से निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की. सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया.घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है. बताया जा रहा है कि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता.

पुलिस जुटी जांच में

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है. फिलहाल मृतकों की पहचान और घायलों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है. प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की गई है.

अस्पताल में जुटे परिजन

घटना की जानकारी मिलते ही घायलों और मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचने लगे. अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुटी हुई है. डॉक्टरों की टीम गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज में जुटी है.पुलिस और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. हादसे को लेकर क्षेत्र में शोक का माहौल है.

पटना में अब चलती ट्रेन में भी बुक करा सकेंगे कंफर्म बर्थ, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी

बिहार: पटना समेत दानापुर मंडल से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है. अब यात्री उन ट्रेनों में भी कंफर्म बर्थ बुक करा सकेंगे जो अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना हो चुकी होंगी. रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल ने इस नई सुविधा को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है.

एचएचटी अपग्रेड होने से मिलेगी सुविधा

रेलवे की ओर से टीटीई को दिए गए एचएचटी (हैंड हेल्ड टर्मिनल) को अपग्रेड किया जा रहा है. चेकिंग के दौरान टीटीई को एचएचटी में यह दर्ज करना होगा कि कौन सा यात्री यात्रा पर नहीं आया और कौन सी सीट खाली है. जानकारी अपडेट होते ही खाली सीटों का ब्योरा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दिखाई देने लगेगा.

खाली सीटों की ऑनलाइन होगी बुकिंग

नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्री यात्रा के दौरान भी उपलब्ध खाली सीटों को ऑनलाइन बुक कर सकेंगे. यदि किसी स्टेशन से यात्री ट्रेन में चढ़ना चाहता है और सीट उपलब्ध है तो वह सीधे आईआरसीटीसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से कंफर्म बर्थ बुक कर सकेगा.

अभी वेटिंग और आरएसी यात्रियों को मिलती है सीट

वर्तमान व्यवस्था में ट्रेन में खाली होने वाली सीटें पहले वेटिंग और आरएसी टिकट वाले यात्रियों को आवंटित की जाती हैं. दानापुर मंडल के एक वरिष्ठ टीटीई के अनुसार किसी यात्री के यात्रा नहीं करने पर सीट को एचएचटी में रिक्त दर्ज किया जाता है. नई प्रणाली में यही जानकारी तुरंत ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी.

बुकिंग होते ही टीटीई को मिलेगा अलर्ट

रेलवे की नई व्यवस्था के तहत जैसे ही कोई यात्री खाली सीट बुक करेगा, उसकी पूरी जानकारी टीटीई के एचएचटी में दिखाई देगी. इससे सीट आवंटन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज होगी. यात्रियों को स्टेशन पर या ट्रेन में सीट के लिए भटकना नहीं पड़ेगा.रेलवे अधिकारियों के अनुसार एचएचटी डिवाइस के जरिए टीटीई का काम अब पूरी तरह पेपरलेस हो चुका है. इस डिवाइस के माध्यम से टिकट जांच, सीट आवंटन और यात्रियों की जानकारी का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से रखा जा रहा है.

भरत तिवारी के घर पहुंचे प्रशांत किशोर, महापंचायत में उमड़ा जनसैलाब, गांव में जुटे हजारों लोग

एजेंसी

पटना: भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के विरोध में बिलौटी गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया है. जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी महापंचायत में शामिल होने पहुंचे हैं. उन्होंने भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की और परिवार का हाल जाना. प्रशांत किशोर के गांव पहुंचने के बाद इलाके में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई. बड़ी संख्या में लोग पहले से ही महापंचायत में जुटे हुए हैं. लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है.

भरत की मां और भाई से की बातचीत

प्रशांत किशोर ने भरत तिवारी की मां आशा देवी और उनके भाई से मुलाकात की. बताया जा रहा है कि उन्होंने करीब 20 मिनट तक परिवार के साथ बातचीत की. मुलाकात के दौरान परिजनों ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी.

एनकाउंटर को लेकर परिवार की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर भी चर्चा हुई.

घर के बाहर जुटी हजारों लोगों की भीड़

भरत तिवारी के घर के बाहर सुबह से ही लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है. करीब 5 हजार से अधिक लोग मौके पर मौजूद हैं. लोग भरत तिवारी के समर्थन में नारे लगा रहे हैं. वहीं सरकार और प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की जा रही है.

महापंचायत में पहुंचीं 1000 से ज्यादा गाड़ियां

महापंचायत में शामिल होने के लिए यूपी और बिहार के कई जिलों से लोग बिलौटी गांव पहुंच रहे हैं. आयोजकों के अनुसार अब तक करीब 1000 से ज्यादा गाड़ियां गांव पहुंच चुकी हैं. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समुदायों के लोगों की भागीदारी देखी जा रही है.

गांव से हाईवे तक लगे पोस्टर

बिलौटी गांव से लेकर मुख्य सड़क और हाईवे तक भरत तिवारी के पोस्टर लगाए गए हैं. पोस्टरों में उन्हें शहीद बताते हुए इंसाफ की मांग की गई है. समर्थकों का कहना है कि भरत तिवारी जिन मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहे थे, उन पर सरकार को जवाब देना चाहिए.

एक लाख लोगों के पहुंचने का दावा

आयोजकों का दावा है कि महापंचायत में एक लाख से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं. यूपी के कुछ ब्राह्मण समाज संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भोजपुर और आसपास के जिलों से भी लोगों के पहुंचने की संभावना जताई गई है.

क्या है पूरा मामला?

17 जून को भोजपुर में पुलिस कार्रवाई के दौरान भरत भूषण तिवारी की मौत हो गई थी. पुलिस ने इसे एनकाउंटर बताया था, जबकि परिजनों ने कार्रवाई पर सवाल उठाए थे. भरत की मां ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. मामले में एसडीपीओ, एसएचओ और अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज किया जा चुका है.

न्यायिक जांच के आदेश

मामले को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री ने न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं. वहीं सरकार ने जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है. हालांकि न्यायिक जांच किस अधिकारी या न्यायिक पदाधिकारी को सौंपी जाएगी, इसकी घोषणा अभी नहीं हुई है.

घूसखोर राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार, दाखिल-खारिज के नाम पर शिक्षक से ले रहा था पैसे

एजेंसी

भोजपुर: पटना निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस) की टीम ने मंगलवार को भोजपुर जिले में बड़ी कार्रवाई की है. गड़हनी अंचल कार्यालय के घूसखोर राजस्व कर्मचारी को अरेस्ट किया गया है. उनपर शिक्षक से रिश्वत मांगने का आरोप है.

घूसखोर राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार : निगरानी ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी को 3500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार कर्मचारी की पहचान औरंगाबाद जिले के खुदवां थाना क्षेत्र अंतर्गत आधार बिगहा गांव निवासी जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में गड़हनी अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं.

दाखिल-खारिज के नाम पर रिश्वत की मांग: मिली जानकारी के अनुसार उदवंतनगर थाना क्षेत्र के एडौरा गांव निवासी एवं सरकारी शिक्षक राजेंद्र राम ने अपनी पत्नी हेवंती देवी के नाम पर गड़हनी प्रखंड क्षेत्र में ढाई डिसमिल जमीन खरीदी थी. जमीन के दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के लिए उन्होंने कई बार ऑनलाइन आवेदन किया, लेकिन राजस्व कर्मचारी द्वारा हर बार आवेदन को निरस्त कर दिया जाता था.

3500 रुपये की मांग: बताया जाता है कि हाल ही में रामदेव राम ने पुनः दाखिल-खारिज के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था. इसके बाद जब वे राजस्व कर्मचारी जितेंद्र कुमार से मिले तो उसने आवेदन स्वीकृत करने के एवज में 3500 रुपये रिश्वत की मांग की. इससे परेशान होकर रामदेव राम ने पटना स्थित निगरानी अन्वेषण ब्यूरो कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई.शिकायत की जांच एवं सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने जाल बिछाया. मंगलवार को टीम गड़हनी अंचल कार्यालय पहुंची और जैसे ही जितेंद्र कुमार ने शिकायतकर्ता से 3500 रुपये की रिश्वत ली उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया.

संक्षिप्त खबर

दिग्विजय सिंह की 16वीं पुण्यतिथि पर कई मंत्रियों के साथ जमुई के नयागांव पहुंचे सीएम, समाधि स्थल पर दी श्रद्धांजलि

बिहार: समाजवादी विचारधारा के प्रखर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. दिग्विजय सिंह की 16वीं पुण्यतिथि पर गिद्धौर का नयागांव राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों का केंद्र बन गया. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समाधि स्थल पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया.

समाधि स्थल पर उमड़ी भीड़: श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नेताओं, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी. लोगों ने स्व. दिग्विजय सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. पूरे परिसर में श्रद्धा और सम्मान का माहौल देखने को मिला.

कई मंत्री, सांसद और विधायक रहे मौजूद: कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, परिवहन मंत्री दामोदर रावत, पीएचईडी मंत्री संजय सिंह, सांसद अरुण भारती, पूर्व मंत्री सुमित सिंह, एमएलसी अजय सिंह, सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल मांझी समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे. सभी ने स्व. दिग्विजय सिंह के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद किया.

पुतुल कुमारी और श्रेयसी सिंह ने किया स्वागत: श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे अतिथियों का स्वागत दिवंगत नेता की धर्मपत्नी एवं बांका सांसद पुतुल कुमारी तथा उनकी पुत्री एवं बिहार सरकार की खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने किया. दोनों ने आगंतुकों का अभिनंदन कर कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार जताया.

वेद मंत्रोच्चार और शांति पाठ का आयोजन: पूर्व केंद्रीय मंत्री की आत्मा की शांति के लिए समाधि स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और शांति पाठ का आयोजन किया गया. श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर भी उन्हें याद किया.

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद: मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा. समाधि स्थल से हेलिपैड तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे. सभा स्थल में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच के बाद ही उन्हें अंदर जाने की अनुमति दी जा रही थी. वहीं गिद्धौर-जमुई मुख्य मार्ग पर लालकोठी से नयागांव तक निजी वाहनों के परिचालन पर अस्थायी रोक लगाई गई थी.

परिजनों से भी की मुलाकात: श्रद्धांजलि सभा के उपरांत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गिद्धौर स्थित लालकोठी पहुंचकर स्व. दिग्विजय सिंह के परिजनों से मुलाकात की और परिवार के सदस्यों का हालचाल जाना.कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा केशरी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश भगत, कन्हैया सिंह, चंदन सिंह, ई. शंभु शरण, शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कौशल सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक कार्यकर्ता, समाजसेवी और आम लोग मौजूद रहे.

मुंगेर में दोस्त को बचाने के लिए खुद गंगा में कूद पड़ा पीयूष, 9वीं के छात्र की बहादुरी और बलिदान ने नम कर दीं आंखें

मुंगेर: मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित आदर्श ग्राम टीकारामपुर में बुधवार की सुबह एक ऐसी घटना घटी, जिसने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया. नौवीं कक्षा के छात्र पीयूष कुमार पटेल ने गंगा में डूब रहे एक बच्चे की जान बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी. उसने साथी बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन खुद गहरे पानी में डूब गया. घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और हर कोई पीयूष की बहादुरी और त्याग को याद कर रहा है.

गंगा स्नान के दौरान हुआ हादसा: जानकारी के अनुसार सुबह करीब आठ बजे गांव के कुछ बच्चे गंगा घाट पर स्नान करने गए थे. इसी दौरान एक बच्चा अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. बच्चे को संकट में देखकर पीयूष कुमार पटेल बिना देर किए उसे बचाने के लिए पानी में उतर गया.पीयूष ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए डूब रहे बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण वह स्वयं पानी में समा गया.घटना की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. मां के करुण विलाप से गंगा घाट का माहौल गमगीन हो गया. वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं.

घाट पर जुटी भीड़, चला खोज अभियान: घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण गंगा घाट पहुंच गए. सूचना पर पुलिस और गोताखोरों की टीम भी मौके पर पहुंची और गंगा में खोज अभियान शुरू किया गया.ग्रामीणों ने बताया कि पीयूष हमेशा मदद के लिए आगे रहने वाला छात्र था. उसकी बहादुरी और निस्वार्थ त्याग की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है.

पूरे इलाके में हो रही पीयूष की बहादुरी की चर्चा: एक मासूम की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाने वाले पीयूष ने अपने साहस से मानवता और दोस्ती की मिसाल पेश की है. उसकी यह बहादुरी हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगी. टीकारामपुर गांव में बुधवार का दिन शोक और गर्व दोनों की भावनाओं के साथ बीता. एक ओर परिवार ने अपना बेटा खो दिया, वहीं दूसरी ओर पूरे क्षेत्र को पीयूष के रूप में एक ऐसा नायक मिला, जिसने दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया.

खबर संक्षेप

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 39वां विमान

नई दिल्ली। अकासा एयर ने बोइंग 737 मैक्स को अपने बेड़े में 39वें विमान के रूप में शामिल कर लिया है। एयरलाइन लगभग चार वर्ष से परिचालन कर रही है और इसने वर्ष 2026 में अब तक अपने बेड़े में आठ नए विमान जोड़े हैं। वीटी-वाईबीपी पंजीकरण संख्या वाला बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान सोमवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा। अकासा एयर ने बोइंग 737 मैक्स विमान के 226 ऑर्डर दिए हैं।

अदाणी मुंद्रा हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ान सेवाएं शुरू

मुंद्रा (गुजरात)। अदाणी मुंद्रा हवाई अड्डे से मंगलवार को गोवा से पहली उड़ान के आगमन के साथ वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया। अदाणी समूह ने बयान में कहा कि स्टार एयर के साथ रणनीतिक साझेदारी में शुरू की गई यह हवाई सेवा

कच्छ क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को नई गति देगी। इसे एक पूर्णतः एकीकृत बहु-मध्यम लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक केंद्र में बदलने में मदद करेगी। स्टार एयर द्वारा मंगलवार से शुरू की गई आठ नई हवाई सेवाएं व्यापार, वाणिज्य, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन के लिए यात्रा समय को कम करते हुए एक तेज संपर्क गलियारा तैयार करेंगी।

स्क्वायर याईस् ने जुटाए 900 करोड़ रुपए, बनी 'यूनिकॉर्न'

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार कंपनी स्क्वायर याईस् ने कारोबार विस्तार और कर्ज चुकाने के लिए निवेशकों से 900 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने 900 करोड़ रुपये ऋण

और इक्विटी के जरिये जुटाए हैं। निवेश का नेतृत्व ईएएएए अल्टरनेटिव्स ने किया, जबकि वैश्विक कॉरपोरेट ऋण प्रबंधक म्यूजिनिक एंड को. ने भी इसमें भागीदारी की। स्क्वायर याईस् ने कहा कि यह इक्विटी कोष उसके पिछले दौर की तुलना में ज्यादा मूल्यांकन पर जुटाया गया।

डीपी वर्ल्ड ने मई में सर्वाधिक मासिक माल ढुलाई दर्ज की

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड ने कोचीन स्थित उसके इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आईसीटीटी) से मई में अब तक की सर्वाधिक मासिक 77,637 टीईयू माल ढुलाई दर्ज

की है। कंपनी ने बयान में कहा कि मई 2026 तक वैश्विक चुनौतियों के बावजूद टर्मिनल के माल ढुलाई प्रबंधन में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि उच्च पुनःलदान मात्रा से समर्थित रही। इसमें अन्य बंदरगाहों से यहां भेजा गया माल भी शामिल है।

रुपया 11 पैसे टूटकर 94.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.74 (अस्थायी) पर रहा। डॉलर के मजबूत होने और घरेलू बाजार के कमजोर रहने से रुपये पर दबाव है। हालांकि, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

रही, जिससे रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 से 94.92 के स्तर तक पहुंचा और अंत में 94.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले भाव से 11 पैसे की गिरावट है।

देश की दवा आपूर्ति श्रृंखला चीनी आयात पर बहुत अधिक निर्भर

नीति आयोग ने जारी तिमाही रिपोर्ट में किया खुलासा

नई दिल्ली

नीति आयोग ने मंगलवार को कहा कि भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला जरूरी रसायन यानी कच्चे माल (एपीआई) और मुख्य शुरुआती सामग्री के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयोग ने व्यापार पर जारी तिमाही रिपोर्ट में यह भी कहा कि पर्यावरण से जुड़े नियमों का पालन करने की बढ़ती जरूरतों के कारण भारत में विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास की लागत काफी बढ़ गई है। लाहिड़ी ने कहा, ''नीति आयोग ने पाया है कि भले ही हम औषधि क्षेत्र में मात्रा के मामले में अच्छा कर रहे हैं, लेकिन हमें मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि

प्रमुख रसायन का आयात चीन पर निर्भर

रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत की औषधि आपूर्ति श्रृंखला प्रमुख रसायन, मुख्य शुरुआती सामग्री और अन्य जरूरी उत्पादों के लिए चीन से होने वाले आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। इन वस्तुओं के आयात में चीन की 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है।'' इसमें कहा गया है कि कमजोर नवोन्मेष और वाणिज्यिक परिवेश ने नवोन्मेषकों और लंबे समय के निवेश के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसमें अधिक मूल्य वाले औषधि खंड में विविधता लाने पर जोर दिया गया।

भारत को दुनिया का दवाखाना माना जाता है

रिपोर्ट में पेटेंट वाणिज्यिकरण, अनुसंधान सहयोग और स्टार्टअप 'इनक्यूबेशन' को तेजी देने के लिए नियामकीय पारदर्शिता बढ़ाने और उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच मजबूत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की भी बात कही गई है। रिपोर्ट जारी करते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि भारत को दुनिया का दवाखाना माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की कुछ साख है और उन्हें कोई कारण नहीं दिखता कि अगर भारतीय औषधि कंपनियां अच्छी गुणवत्ता और सही कीमत वाले ब्रांडेड उत्पाद लाती हैं, तो वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी जगह क्यों नहीं बना सकतीं।

भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

भारत सस्ती जेनेरिक दवाओं (मात्रा के हिसाब से) का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जो अफ्रीका की लगभग 50 प्रतिशत, अमेरिका की 40 प्रतिशत और ब्रिटेन की 25 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की जरूरतें पूरी करता है। बीते वर्ष वैश्विक औषधि बाजार की मांग 1,300 अरब डॉलर थी।

नाफेड की चार पहल की शुरुआत कार्यक्रम में शाह बोले

दलहन-तिलहन सीधे किसानों से खरीदें नाफेड एनसीसीएफ, बिचौलियों की भूमिका हो समाप्त

नई दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) को दालों एवं तिलहनों की खरीद सीधे किसानों से करने का निर्देश दिया, ताकि बिचौलियों की भूमिका खत्म हो और इन वस्तुओं के आयात पर देश की निर्भरता घटाई जा सके।

आयात पर देश की निर्भरता घटाई जा सके

नाफेड की चार पहल की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि हाल के वर्षों में दालों एवं तिलहनों का उत्पादन बढ़ा है लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ किसानों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाने के कारण आत्मनिर्भरता हासिल नहीं हो सकी है।

एमएसपी का लाभ किसानों तक पूरी तरह नहीं पहुंच रहा

किसान सीधे सहकारी संस्थानों को उपज बेच सकेंगे

शाह ने कहा, ''खरीद में बिचौलियों की भूमिका खत्म करने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि नाफेड और एनसीसीएफ सीधे किसानों से दाल और तिलहन खरीदें, ताकि लाभ सीधे किसानों को मिल सके।। शाह ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दो साल की समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस अवधि में किसान सीधे इन सहकारी संस्थाओं को अपनी उपज बेच सकेंगे और उन्हें किसी बिचौलिये के बगैर भुगतान मिलेगा।

चार पहल में 'नाफेक्स डॉट इन' शामिल

इस अवसर पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दालों और तिलहनों में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि सरकार पहले से ही तीन प्रकार की दालों की खरीद लाभकारी कीमतों पर कर रही है। नाफेड की तरफ से शुरू चार पहल में डिजिटल नीलामी मंच 'नाफेक्स डॉट इन' भी शामिल है, जो दालों एवं तिलहनों की पारदर्शी नीलामी सुनिश्चित करेगा।

किसानों के बच्चों के लिए नाफेड कल्याण कोष

चौथी पहल 'नाफेड कल्याण कोष' है, जिसे किसानों के बच्चों के करियर समर्थन के लिए बनाया गया है। नाफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने कहा कि ये तीनों प्रौद्योगिकी मंच आपस में जुड़े हुए हैं और इससे पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

घरेलू कमी को पूरा करने दाल व खाद्य तेलों का आयात

भारत हर साल अपनी घरेलू कमी को पूरा करने के लिए लगभग 60-70 लाख टन दाल और 15-16 करोड़ टन खाद्य तेलों का आयात करता है। शाह ने नाफेड की वित्तीय स्थिति में सुधार की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में यह सहकारी संस्था गंभीर संकट में थी और इसे बचाने के लिए सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

नाफेड की पहुंच 76 लाख किसानों तक

नाफेड का वार्षिक कारोबार 500 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 30,000 करोड़ रुपये हो गया और इसकी पहुंच 76 लाख किसानों तक हो चुकी है। शाह ने नाफेड को अब 50,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य रखने को कहा।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स घरेलू बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाएगी

पांच साल में 40 हजार करोड़ रुपए व्यय करने की योजना

नई दिल्ली

वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ अगले पांच वर्षों में 40,000 करोड़ रुपये तक के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है।

टाटा समूह की यात्री वाहन कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, कंपनी वित्त वर्ष 2030-31 तक अपनी वार्षिक बिक्री को लगभग दोगुना कर 12 लाख इकाइयों से अधिक करने का लक्ष्य रखती है।

प्रस्तुतिकरण में कहा गया है कि कंपनी 2030-31 तक छह नए मॉडल पेश करेगी जबकि अगले दो-तीन वर्षों में अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 13 लाख इकाई करने की योजना है। वर्तमान में इसकी क्षमता करीब नौ लाख इकाई है, जिसमें चार लाख इकाइयों की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में अपने लिए 30 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य भी तय किया है और इसके लिए 10 ईवी मॉडल का पोर्टफोलियो तैयार किया जाएगा। चंद्रा ने कहा, /''हमारी वृद्धि की अगली रणनीति में छह लाख से अधिक अतिरिक्त इकाइयों की वृद्धि शामिल है, जिसमें कई ईंधन विकल्पों वाली रणनीति प्रमुख भूमिका निभाएगी।/''

वृद्धि में ईवी और सीएनजी खंड का बड़ा योगदान रहेगा

चंद्रा ने कहा कि कंपनी की इस वृद्धि में ईवी और सीएनजी खंड का बड़ा योगदान रहेगा। चंद्रा ने कहा कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2019-20 से 2025-26 के दौरान नौ प्रतिशत बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 के दौरान इसमें पांच-छह प्रतिशत की और बढ़ोतरी का लक्ष्य रखा गया है।

सेंसेक्स 893 और निफ्टी 279 अंक लुढ़का

आईटी, धातु शेयरों में बिकवाली से घरेलू बाजार में बड़ी गिरावट

मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोरी और आईटी एवं धातु कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को खासी गिरावट आई। सेंसेक्स 893 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 279 अंक की गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी घरेलू बाजार पर दबाव बनाने का काम किया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 893.39 अंक टूटकर 76,200.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,011.56 अंक तक गिरकर 76,082.51 अंक के निचले स्तर पर

- **विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी दबाव बनाया**

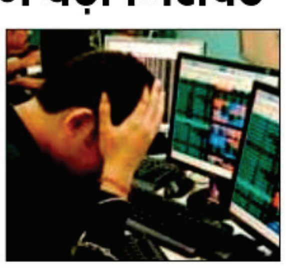

आ गया था। इसी तरहनिफ्टी 278.80 अंक गिरकर 23,824.10 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स और निफ्टी में 11 जून से छह कारोबारी सत्रों के दौरान चार प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी देखी जा चुकी थी। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक और भारतीय स्टेट बैंक भी नुकसान में रहे।

मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''नकारात्मक वैश्विक संकेतों और निवेशकों के सतर्क रुख के कारण घरेलू बाजार शुरुआती बढ़त को कायम नहीं रख पाए और ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली हावी होने से काफी नीचे आ गए।

एआई आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा: नीलेकणी

नई दिल्ली। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी 2030 तक 400 अरब डॉलर के एआई-प्रथम सेवाओं के बड़े अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए नीलेकणी ने तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों के कारण आईटी उद्योग के सामने मौजूद ''अस्तित्व से जुड़े सवाल'' पर चर्चा की।

कंपनी ने अगस्त, 2022 में परिचालन शुरू किया था

अकासा एयर की चार साल के भीतर अपना आईपीओ लाने की योजना

नई दिल्ली

एयरलाइन कंपनी आकासा एयर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अगले दो से चार साल में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है, जो इसके विभिन्न लक्ष्यों पर निर्भर करेगा। सीएफओ ने कहा कि एयरलाइन का आईपीओ आएगा या नहीं यह कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि यह तय है और सवाल बस ये है कि आईपीओ आएगा कब तक। कंपनी ने अगस्त, 2022 में परिचालन शुरू किया था, जिसके बाद से यह धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। वर्तमान में एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय शहरों के साथ ही कुल 34 गंतव्यों के लिए सेवाएं दे रही है।

इस एयरलाइन के पास अभी 39 विमानों का बेड़ा है और 2032 तक इसका लक्ष्य अपने बेड़े में 226 विमानों को शामिल करना है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि आईपीओ की समय-सीमा विभिन्न कारोबारी लक्ष्यों की प्राप्ति पर निर्भर करेगी। इनमें कंपनी की कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) के स्तर पर लाभ में आना, नकदी प्रवाह को मजबूत करना और समग्र लाभप्रदता हासिल करना शामिल है। सीएफओ ने

कहा, ''आईपीओ लाना तय है, यह आएगा या नहीं ये सवाल ही नहीं बनता। सवाल यह बनता है कि यह कब तक आएगा, एयरलाइन सिर्फ आईपीओ लाने के लिए नहीं बनी हैं, बल्कि हमारा मकसद ऐसी कंपनी लाना है जिसका वास्तव में कोई मूल्य हो..।'' घाटा झेल रही एयरलाइन का सितंबर, 2025 से मार्च, 2026 की अवधि में ईबीआईटीडीए सकारात्मक रहा है।

इस साल नुकसान कम रहा

गोयल ने कहा, ''इस साल हमारा नुकसान पिछले साल के मुकाबले कम रहा है, जो यह बताता है कि आय, प्रति इकाई आय, प्रति इकाई लागत, आईबीआईटीडीए या नकदी खपत हो सभी हमारी उम्मीद के मुताबिक बेहतर हो रहे हैं।'' गोयल ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी की क्षमता में लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य है। आगे चार से पांच वर्षों में क्षमता वृद्धि 30 से 40 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है।

वोडाफोन आइडिया ने बिडला समूह से 1182 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। कर्ज से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने प्रवर्तक आदित्य बिड़ला समूह से वॉरंट जारी कर 1,182 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने सोमवार को 11 रुपये प्रति वॉरंट के भाव पर 430 करोड़ वॉरंट आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी सूर्याजा इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट

लिमिटेड को आवंटित करने को मंजूरी दी। इस प्रस्ताव के तहत कंपनी को निर्गम मूल्य का 25 प्रतिशत यानी 2.75 रुपये प्रति वॉरंट के भाव से 1,182.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। प्रत्येक वॉरंट को 18 महीने के भीतर एक पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर में बदला जा सकेगा, जिसके लिए बाकी 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करना होगा।

डॉलर में तेजी से सोना 3,000 और चांदी 10,500 रुपए टूटी

सोना टूटकर 1.49 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया चांदी गिरकर 2,35,000 रुपए प्रति किलो हुई

नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 3,000 रुपये टूटकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि चांदी 10,500 रुपये लुढ़ककर दो महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर आ गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 3,000 रुपये या दो प्रतिशत घटकर 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। सोना आखिरी बार 27 मार्च को इस स्तर के आसपास रहा था, जब इसकी कीमत 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी पर भी बिकवाली का असर पड़ा और यह 10,500 रुपये या 4.3 प्रतिशत टूटकर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई, जो दो महीने से ज्यादा समय में इसका सबसे निचला स्तर है। चांदी तीन अप्रैल को 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतें कम रहीं क्योंकि मजबूत डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों का कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।''

कोटक सिक्योरिटीज में जिंस शोध की एवीपी, कायनात चैनवाला ने कहा, ''सोमवार को कीमती धातुओं में थोड़ी बढ़त देखी गई थी।

वैश्विक बाजार में सोना दो फीसदी टूटा

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 70.33 डॉलर या लगभग दो प्रतिशत टूटकर 4,121.10 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी चार प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 62.27 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। विश्लेषकों ने कहा कि मजबूत डॉलर कीमती धातुओं के लिए मुख्य बाधा बनकर उभरा है।

एक्सपीरियन ने उपभोक्ता रुझान पर की रिपोर्ट जारी

स्वर्ण ऋण बाजार में सार्वजनिक बैंकों की हिस्सेदारी घटी

मुंबई

सोने के बदले कर्ज (स्वर्ण ऋण) के बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का वर्चस्व धीरे-धीरे घट रहा है, जबकि निजी बैंक एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही हैं। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

क्रेडिट डेटा विश्लेषक फर्म एक्सपीरियन की 'स्वर्ण ऋण बाजार के विकास एवं उपभोक्ता रुझान' शीर्षक से जारी रिपोर्ट कहती है कि बेहतर वितरण नेटवर्क, तेज ऋण स्वीकृति और ग्राहकों की बदलती पसंद स्वर्ण ऋण के कारोबार में आए इस बदलाव के प्रमुख कारण हैं।

निजी बैंक-एनबीएफसी अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही

पीएसयू बैंकों की हिस्सेदारी घटकर 37 फीसदी

रिपोर्ट के अनुसार, स्वर्ण ऋण स्रोत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी मार्च तिमाही 2025-26 में घटकर 37 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 45 प्रतिशत और जुलाई-सितंबर तिमाही 2025-26 में 53 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, एनबीएफसी की इस ऋण बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर मार्च तिमाही में 44 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 33 प्रतिशत और सितंबर तिमाही 2024 में 22 प्रतिशत थी।

पीएसयू बैंकों की हिस्सेदारी 88 फीसदी रही

मार्च तिमाही में इस खंड में उनकी हिस्सेदारी लगभग 88 प्रतिशत रही, लेकिन सालाना आधार पर इसमें दो प्रतिशत की गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में उनके कुल स्वर्ण ऋण स्रोत में पीएसयू बैंकों का योगदान करीब 42 प्रतिशत रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पहुंच

रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपने व्यापक शाखा नेटवर्क और ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी पहुंच के कारण इस खंड में अग्रणी बने हुए हैं, जबकि निजी बैंक एवं छोटे वित्त बैंक भी कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाली सुरक्षित खुदरा ऋण परिसंपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं।

नए ग्राहक जुड़ने से बल मिल रहा

रिपोर्ट के अनुसार, पीएसएजीएल अब ऋणदाताओं के लिए एक स्थिर, विस्तार योग्य और नियामकीय रूप से अनुकूल वृद्धि अवसर के रूप में उभर रहा है। ग्रामीण, कस्बा और कम सेवा प्राप्त क्षेत्रों से नए ग्राहकों के जुड़ने से इस खंड में वृद्धि को बल मिल रहा है, जिससे वित्तीय समावेशन की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

आज के मुकाबले

इंग्लैंड बनाम घना (1:30 एएम)

दिन की शुरुआत इंग्लैंड और घाना के मुकाबले से होगी, जो भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे खेला जाएगा। यह मैच काफी रोमांचक माना जा रहा है क्योंकि इंग्लैंड की मजबूत टीम एक्शन में नजर आने वाली है।

पनामा बनाम क्रोशिया (4:30 एएम)

इसके बाद दूसरा मुकाबला पनामा और क्रोएशिया के बीच सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अपना पहला मैच हारने के बाद एक दूसरे से टक्कर लेंगी। ऐसे में यहां से जो जीतेगा उसके लिए नॉक आउट मुकाबलों का दरवाजा खुल सकता है।

कोलम्बिया - डीआर कोंगो (7:30 एएम)

दिन का तीसरा और अंतिम मुकाबला कोलंबिया और डीआर कांगो के बीच भारतीय समय के अनुसार सुबह 7:30 बजे होगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद की जा सकती है।

सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने मेस्सी

अर्लिंगटन। अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी आस्ट्रिया के खिलाफ विश्व कप मैच में पेनल्टी चूक गए लेकिन उसके बाद दो गोल करके टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक 18 गोल अपने नाम कर लिए। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक मेस्सी ने आस्ट्रिया पर 2-0 से मिली जीत में दोनों गोल दागे। वह नौवे मिनट में पेनल्टी चूक गए थे लेकिन इसकी बखूबी भरपाई कर ली। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेस्सी के अब कुल 18 गोल हो गए हैं। पहले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाकर उन्होंने जर्मनी के स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोसे के विश्व कप में 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ने भी ईराक पर 3-0 से मिली जीत में दो गोल दागे और अब वह क्लोसे के 16 गोल की बराबरी करके संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

100वां मैच : अब सिर्फ मेस्सी से पीछे एमबाप्पे

फिलाडेल्फिया

। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ईराक के खिलाफ दो गोल करके कुल 16 गोलों के साथ विश्व कप फुटबॉल के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। तीसरा विश्व कप खेल रहे 27 वर्ष के एमबाप्पे ने ईराक के खिलाफ 14वें मिनट में पहला गोल किया। यह उनके कैरियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच भी था। बारिश के कारण दो घंटे के विलंब के बाद खेल बहाल होने पर उन्होंने 54वें मिनट में एक और गोल करके जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोसे के 16 गोल की बराबरी कर ली। यह विश्व कप शुरू होने से पहले रिकॉर्ड क्लोसे के ही नाम था। एमबाप्पे ने सेनेगल के खिलाफ पहले मैच में भी दो गोल किए थे। उनके अब 59 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं, जो फ्रांस के लिए सर्वाधिक हैं। इस विश्व कप में अब तक वह चार गोल कर चुके हैं जबकि 2022 में 8 और 2018 में 4 गोल किए थे। उन्हें 2022 में सर्वाधिक गोल के लिए गोल्डन बूट भी मिला था।

ईराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में फ्रांस

फिलाडेल्फिया। फ्रांस ने ईराक को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बना ली। एमबाप्पे ने 14वें और 54वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल पर फ्रांस ने हाफटाइम तक 1-0 की बढ़त बना ली जब भारी बारिश और तूफान के कारण मैच दो घंटे से अधिक समय के लिए रोकना पड़ा। एमबाप्पे फ्रांस की 2018 विश्व कप जीत और 2022 में फाइनल तक पहुंचाने में सूत्रधार रहे थे। इस बार उनके डेम्बेले और डिजायर डू के रहते फ्रांस खिताब के प्रबल दावेदारों में से है। फ्रांस का सामना 4 जुलाई को यहां जर्मनी से हो सकता है। ईराक के स्ट्राइकर ऐमन हुसैन को चोट के कारण 26वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा, जिनकी जगह अली अल हमादी ने ली। हुसैन ने नॉर्वे के खिलाफ पहले मैच में गोल किया था। ईराक 1986 में पदार्पण के बाद दूसरी बार विश्व कप खेल रहा है।

गोल्डन बूट की रेस में दूसरे स्थान पर हालैंड

हालैंड के पिछले 12 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 गोल हो गए हैं और अब तक 52 मैचों में वह 59 गोल कर चुके हैं। विश्व कप के पहले दो मैचों में दो-दो गोल करने वाले वह इंग्लैंड के हैरी केन (2018) के साथ पिछले 50 साल में दूसरे फुटबॉलर हो गए हैं। वह गोल्डन बूट की रेस में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के बाद फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर है।

अल्जीरिया ने खत्म किया 12 साल का सूखा, पहली बार टूर्नामेंट में मिली जीत

सांता क्लारा। दूसरे हाफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में आसट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराया 'वाइकिंग रो' कर मनाया जश्न

ईस्ट रदरफोर्ड। एलिंग हालैंड के दो गोल की मदद से नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 32 में जगह बना ली। मार्कस पेडरसन ने 43वें मिनट में गोल किया जबकि हालैंड ने 48वें और 58वें मिनट में गोल दागे। उनके विश्व कप में अब चार गोल हो गए हैं। पेडरसन ने जूलियन रायरसन के चोटिल होने के कारण 13वें मिनट में विश्व कप में पदार्पण किया और गोल कर दिया। वहीं हालैंड ने मार्टिन ओडेगार्ड के पास पर बाए पैर से शॉट लगाया और सेनेगल के गोलकीपर एडुअर्ड मेंडी बायीं ओर डाइव लगाकर भी गोल नहीं बचा सके। इसके बाद उन्होंने सेनेगल के डिफेंस को भेदते हुए पैट्रिक बर्ग के पास पर गोल किया। जीत के बाद कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड की अगुआई में खिलाड़ियों ने फैंस के साथ मिलकर पारंपरिक वाइकिंग रो सेलिब्रेशन किया। टूर्नामेंट के दौरान नॉर्वे के फैंस के बीच वाइकिंग रो एक लोकप्रिय परंपरा बन गई है। फैंस वाइकिंग लॉन्गबोट जैसी बनावट में बैठते हैं और ड्रम की थाप पर नाव चलाने जैसा एक्शन करते हैं। इसकी तुलना यूरो 2016 में आइसलैंड के मशहूर वाइकिंग क्लैप से की जाती है।

हालैंड ने दागे शानदार दो गोल, अंतिम 32 में बनाई जगह

खबर संक्षेप

अर्जन सिंह स्मृति हॉकी टूर्नामेंटः वायुसेना ने दक्षिणी कमान सेना को हराया

जालहल्ली। भारतीय वायुसेना के वायुसेना मार्शल अर्जन सिंह स्मृति हॉकी टूर्नामेंट के सातवें सत्र के पहले मैच में भारतीय सेना (दक्षिणी कमान) को 2-0 से हरा दिया। टूर्नामेंट का आयोजन वायुसेना खेल नियंत्रण बोर्ड कर रहा है। अग्निवीर विनायक संतोष हांडे को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। टूर्नामेंट में कुल 16 टीम हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में एयर मार्शल एस शिवकुमार ने हिस्सा लिया और टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की।मुख्य अतिथि ने हांडे को 25 हजार रुपए का चैक सौंपा।

तिलक की तूफानी पारी 56 गेंद में बनाए 136 रन

हैदराबाद। तिलक वर्मा ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला की तैयारी पुख्ता करते हुए टीजी20 में 56 गेंद में नाबाद 136 रन बनाकर वारंगल वारियर्स के खिलाफ मेडक फाल्कंस को तीन विकेट से जीत दिलाई। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तिलक ने आक्रामक शुरुआत की। उनकी टीम ने चौथे ही ओवर में 50 रन बना लिए। तिलक ने 22 गेंद में अर्धशतक पूरा करके अपनी टीम को आठवें ओवर में सौ रन के पार पहुंचा दिया। आखिरी पांच ओवर में उन्हें 65 रन की जरूरत थी। तिलक ने 42 गेंद में शतक पूरा किया और विक्रम के साथ 58 रन की साझेदारी की। विक्रम (27) 19वें ओवर में आउट हुए जब दो ओवर में 20 रन की जरूरत थी। तिलक ने अपनी पारी में 14 चौके और आठ छक्के लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

12 करोड़ के घाटे के साथ डीसी में लौटे पंत

एलएससी की जर्सी में दिखेंगे कुलदीप

नई दिल्ली

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के तौर पर दो खराब सत्र के बाद ऋषभ पंत की वेतन में 12 करोड़ रुपए की भारी कटौती के साथ दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी हो रही है।

दिल्ली कैपिटल्स के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के साथ हुई एक 'हाई-प्रोफाइल ट्रेड (बड़े खिलाड़ियों की अदला-बदली)' में पंत 15 करोड़ रुपए में अपनी पुरानी फ्रेंजाइजी में वापस आ गए हैं। एलएसजी ने आईपीएल 2025 से पहले हुई बड़ी नीलामी में उन्हें 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम में खरीदा था, जो लीग के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम थी।

13.50 करोड़ रुपए की फीस पर सुपर जायंट्स में कुलदीप

लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने उस समय पंत के साथ लंबे समय तक जुड़े रहने की बात कही थी। लगातार दो कमजोर सत्र के बाद फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने जस्टिन लैंगर और टॉम मूडी की मौजूदगी वाली ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग टीम की सलाह पर पंत को रिलीज करने का फैसला किया। उम्मीद के मुताबिक हुए इस ट्रेड में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपए की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ सुपर जायंट्स में चले गए।

पंत के लिए ट्रेड घर वापसी जैसी : पंत के लिए यह ट्रेड घर वापसी जैसी है। उन्होंने 2016 से 2024 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के लिए 111 मैच खेले थे। नीलामी में जाने से पहले तक वह इसी टीम का हिस्सा थे।

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे से नीतीश बाहर, शेडगे टीम में शामिल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के लिए भारतीय टीम में चोटिल हरफनमौला खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी की जगह प्रतिभाशाली सूर्यांश शेडगे को शामिल किया गया है।

इससे पहले ब्रिटेन दौरे की सीमित ओवरों की श्रृंखलाओं से बाहर होने के कारण रेड्डी की अनुपस्थिति भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका मानी जा रही थी। उन्हें हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोट लगी थी।

रेड्डी अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में हुए थे चोटिल

बीसीसीआई ने कहा, पुरुष चयन समिति ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के लिए भारतीय टीम में नीतीश कुमार रेड्डी के स्थान पर सूर्यांश शेडगे को शामिल किया है। रेड्डी ने 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के बाद अपनी बाईं जांघ (क्वाड्रिसेप्स) में दर्द और असहजता की शिकायत की थी। मेडिकल जांच के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें रिहैबिलिटेशन की सलाह दी।

आईसीसी रैंकिंग : 'नंबर-1' गेंदबाज बनीं श्रीचरणी, लिंसी स्मिथ को पछाड़ा

दुबई

भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी पहली बार आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई हैं। श्रीचरणी को आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जिन्होंने इस संस्करण के 3 मुकाबलों में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। 21 वर्षीय चरणी फिलहाल टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। इंग्लैंड की लिंसी स्मिथ वर्ल्ड कप में धीमी शुरुआत के बाद दो स्थान खिसककर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। साथी चार्ली डीन दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। इस बीच कई प्रमुख गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़े बदलाव दिखे। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन चार स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर पहुंच गईं, जबकि वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज 9 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें पायदान पर आ गईं।

छठे स्थान पर पहुंची शेफाली

बेहतर प्रदर्शन करने वाली बल्लेबाजों में भारत की शेफाली वर्मा शामिल हैं, जो छठे स्थान पर पहुंच गईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर चढ़कर टॉप-10 में शामिल हो गई हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी 11वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि प्रेंडरगास्ट ने चार स्थान की छलांग लगाकर 13वां स्थान हासिल किया और अपना ऑल-राउंड प्रदर्शन बेहतर करना जारी रखा। बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना भी टॉप-20 में जगह बनाकर उल्लेखनीय सुधार करने वाली खिलाड़ियों में शामिल रहीं। ऑल-राउंडर्स की रैंकिंग में टॉप पर कोई बदलाव नहीं हुआ।

टी20 महिला विश्व कप : न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराया

ब्रिस्टल। कप्तान मेली केर के फिरकी के जादू के बाद इजी शार्प के अर्धशतक से गत चैंपियन न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के करो या मरो के ग्रुप दो मुकाबले में स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से जल्द बाहर होने का खतरा झेल रहे न्यूजीलैंड ने 132 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। शार्प ने हालांकि अर्धशतक जड़ने के अलावा ब्रूक हैलीडे के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी करके 18.2 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 132 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इस जीत से न्यूजीलैंड की टीम चार मैच में दो जीत और दो हार से चार अंक के साथ अंक तालिका में इंग्लैंड (06 अंक) और वेस्टइंडीज (06) के बाद तीसरे स्थान पर है।

भारत की जर्सी मिलते ही इमोशनल हुए वैभव, कहा- सपना पूरा हुआ

नई दिल्ली

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि भारतीय टी20 टीम में चयन होना उनके कैरियर का सबसे बड़ा कदम है और उनके पास अपने जज्बात बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

पंद्रह वर्ष के सूर्यवंशी को 26 जून से शुरू हो रहे आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। सूर्यवंशी ने कहा,' शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैंने इसी के लिए पहले दिन बल्ला उठाया था और अभ्यास के लिए क्रिकेट के मैदान पर उतरा था।

वह सपना आज पूरा हो गया है।' उन्होंने कहा,' यह मेरे सफर का सबसे बड़ा कदम है। मैं इन भावनाओं को शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकता।' उन्होंने कहा ,' यह सपना सच होने जैसा है। जैसे ही मैंने टीशर्ट देखा, मेरी मुस्कान नहीं रूक रही है।'

समस्तीपुर से हुई कैरियर की शुरुआत

बिहार के समस्तीपुर से अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक जमाया था। 28 अप्रैल 2025 को गुजरात के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन बनाकर वह 14 वर्ष 32 दिन की उम्र में टी20 क्रिकेट में शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। इंग्लैंड या आयरलैंड के खिलाफ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन सकते हैं। यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है, जिन्होंने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में पदार्पण किया था।

विश्व कप के महंगे टिकट, स्टेडियम से दूर हुए मेक्सिको के फैंस

'गोओओओल' की गूंज में डूबा मेक्सिको, फुटबॉल का बुखार चरम पर

मेक्सिको सिटी

'गोओओओओल......' यह गूंजता हुआ नारा प्लास्टिक की मेजों पर रखे एक टेलीविजन के सामने जुटी भीड़ के बीच बार-बार सुनाई देता है। इसकी गूंज मेक्सिको सिटी के व्यस्त श्रमिक वर्ग वाले इलाके की गलियों और दुकानों तक दूर-दूर तक फैल जाती है। मेक्सिको में फुटबॉल प्रशंसक खुले मैदानों, पुलों के नीचे बने स्थानों और मशहूर स्थानीय व्यंजन टैको की दुकानों में लगे टीवी स्क्रीन पर निगाहें टिकाए अपनी राष्ट्रीय टीम का पूरे जोश और जुनून के साथ समर्थन कर रहे हैं। फीफा विश्व कप में जैसे ही मेक्सिको की टीम एक और मैच जीतती है, पूरे देश में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ जाती है।

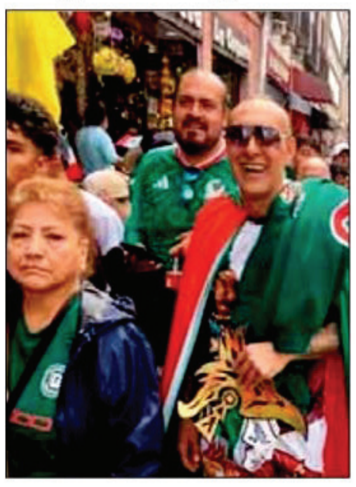

टिकट खरीद पाना लोगों के लिए संभव नहीं

अमेरिका और कनाडा के साथ मिलकर अपने देश में आयोजित हो रहे इस विश्व कप के महंगे टिकट खरीद पाना मेक्सिको के अधिकांश लोगों लिए संभव नहीं है। ऐसे में लोगों ने इस आयोजन से अपने तरीके से जुड़ते हुए सड़कों पर ही जश्न मनाना शुरू कर दिया है। स्थानीय निवासी एस्मेराल्डा सेराते ने अपने पड़ोसियों के साथ सड़क पर लगे टीवी पर मैच देखा। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो स्टेडियम में जाकर मैच देखने का अनुभव अलग होता है, लेकिन मुझे यहां सड़क पर बैठकर मैच देखना ज्यादा पसंद है। ऐसा लगता है जैसे मैं अपने घर में बैठी हूं। विश्व कप का नाम सुनते ही मेरी रगों में जोश दौड़ने लगता है।'

महंगी टिकट को लेकर आलोचना

मेक्सिको की लगातार दो जीतों के बाद मेक्सिको सिटी, ग्वाडालाहारा और मोंटेरे जैसे मेजबान शहरों में हजारों लोग जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। इन जश्नों के पीछे एक नाराजगी भी छिपी है। फीफा को विश्व कप टिकटों की बढ़ती कीमतों को लेकर दुनिया भर में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मेक्सिको में एक औसत कर्मचारी की मासिक आय लगभग 433 डॉलर है और फुटबॉल को ऐसा खेल माना जाता है, जो अमीर-गरीब सभी को जोड़ता है। ऐसे में मैच देखने वालों और उससे वंचित रह जाने वालों के बीच का अंतर साफ दिखाई दे रहा है।

मुंबई लोकल ट्रेन में दरवाजा खुले रखने को लेकर विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी

मुंबई: मुंबई लोकल ट्रेन के फर्स्ट-क्लास डिब्बे में बारिश के दौरान दरवाजे खुले रखे जाएं या नहीं, इस बात पर हुई बहस के बाद कथित तौर पर एक सह-यात्री ने 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी. उन्होंने बताया कि हमलावर को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जो अभी फरार है.पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने बताया कि पीड़ित मयंक लोहार पर मंगलवार को पश्चिमी उपनगरों में अंधेरी और बोरीवली रेलवे स्टेशनों के बीच जानलेवा हमला किया गया. इसी दिन शहर में मॉनसून का आगमन भी हुआ था. अधिकारियों ने बताया कि जब चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट

लोकल ट्रेन रात 10:42 बजे अंधेरी स्टेशन पर पहुंची, तो लोहार और एक अन्य यात्री के बीच बहस हो गई.उनमें से एक चाहता था कि दरवाजे खुले रखे जाएं, जबकि दूसरे ने बारिश का हवाला देते हुए इसका विरोध किया. अधिकारियों ने बताया कि बहस के दौरान, आरोपी ने अपने पास मौजूद एक धारदार हथियार निकाला और कथित तौर पर लोहार के पेट में घोंप दिया.लोहार को गंभीर चोटें आई, जबकि आरोपी बोरीवली स्टेशन पर ट्रेन के रुकने से पहले ही उससे कूदकर भाग गया. अधिकारी ने बताया कि सरकारी रेलवे पुलिस (GRP) और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवानों की मदद से लोहार को पास के अस्पताल ले जाया गया.इसके बाद उन्हें नगर निगम के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. वेस्टर्न रेलवे प्रशासन ने बताया कि चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन के फर्स्ट-क्लास कोच में दरवाजों को लेकर हुई लड़ाई के दौरान एक यात्री ने लोहार को चाकू मार दिया. और जानकारी देते हुए बताया गया कि ट्रेन रात 11:04 बजे बोरीवली स्टेशन पहुँची और जीआरपी व आरपीएफ के जवान तीन मिनट के भीतर कोच में पहुँच गए. उन्होंने स्ट्रेचर और पोर्टर्स के साथ मेडिकल स्टाफ को भी बुला लिया.पीड़ित को रात 11:22 बजे बोरीवली स्टेशन के इमरजेंसी मेडिकल रूम में लाया गया, जहाँ डॉक्टर ने उसकी जाँच की. एक अधिकारी ने बताया कि मेडिकल सलाह पर अमल करते हुए, रेलवे अधिकारियों ने रात 11:42 बजे एम्बुलेंस से उसे कांदिवली के शताब्दी अस्पताल भेजने का इंतजाम किया.इस दौरान जीआरपी और आरपीएफ के जवान उसके साथ थे. रेलवे प्रशासन ने सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूत भी हासिल किए और उन्हें जाँच एजेंसियों को सौंप दिया. अधिकारी ने बताया कि एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर (मुंबई सेंट्रल) और सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर समेत रेलवे के सीनियर अधिकारियों ने रात करीब 1 बजे बोरीवली स्टेशन का दौरा किया और घटना का जायजा लिया. उन्होंने आगे कहा कि मामले की जाँच जीआरपी कर रही है, जो उन हालात का पता लगा रही है जिनकी वजह से चाकू मारने की घटना हुई.

जसपाल राणा का त्रयोदशी संस्कार, देहरादून पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

देहरादून: केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज 24 जून को उत्तराखंड पहुंचे. यहां वे देहरादून में प्रसिद्ध निशानेबाज और पद्मश्री स्व. जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार (तेरहवीं) में शामिल हुए. इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वर्गीय जसपाल राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ ही उनके परिजनों से बात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की. साथ ही भगवान से इस दुःख की घड़ी में परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा, खजान दास, बीजेपी सांसद डॉ. महेश शर्मा, अजय भट्ट, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, विधायक पंकज सिंह अन्य लोगों ने भी स्वर्गीय जसपाल राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की.बता दें कि, जसपाल राणा देश की जाने-माने निशानेबाज हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री से भी सम्मानित किया था. जसपाल राणा मूल रूप से उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के रहने वाले थे. उन्होंने निशानेबाजी में देश को कई पदक दिलाए हैं. जसपाल राणा सफल खिलाड़ी होने के साथ-साथ एक बेहतरीन कोच भी रहे हैं. उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्टार शूटर मनु भाकर को भी कोचिंग दी थी.दरअसल, जर्मनी से लौटते समय अचानक से जसपाल राणा की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान 12 जून को उनका निधन हो गया था. जसपाल राणा का अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया गया था. आज जसपाल राणा का त्रयोदशी संस्कार का था, जहां उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे थे.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जसपाल राणा के रिश्तेदार भी हैं. जसपाल राणा की बहन सुषमा राणा का विवाह केंद्रीय मंत्री व बीजेपी नेता राजनाथ सिंह के बेटे से हुआ है. जसपाल राणा के परिवार में उनकी पत्नी रीना राणा और दो बच्चे बेटी देवांशी और बेटा युवराज हैं. बेटी देवांशी भी शूटर हैं. देवांशी राणा ने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 2018 ISSF जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक हासिल किया. पत्नी रीना राणा भी राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज रही हैं.

राजस्थान, पंजाब, जम्मू कश्मीर समेत कई राज्यों में बारिश की संभावना, लोगों को मिलेगी गर्मी से राहत

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है. वहीं मुंबई में मंगलवार को रातभर बारिश हुई. साथ ही मुंबई, ठाणे और पालघर के लिए ह्यऑरेंज अलर्टह्ल जारी किया गया है. दूसरी तरफ दिल्ली में चल रही धूल भरी आंधी के बाद गरज के साथ बारिश, बिजली कड़कने और हल्की बारिश होने की संभावना है.

उत्तर-पश्चिमी भारत

कई इलाकों में बिजली कड़कने के साथ गरज के साथ बारिश और

40-50 किलोमीटर की रफ़्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 60 किलोमीटर तक पहुंच सकती हैं.राजस्थान में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं, हवा की स्पीड 60-70 किलोमीटर तक पहुंच सकती है और हवा के झोंके 80 किलोमीटर तक पहुंच सकते हैं, जबकि पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी भी चल सकती है. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 29 जून तक गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है.

पूर्वी भारत

आने वाले हफ्ते में सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है. बिहार, झारखंड और ओडिशा में 25-26 जून के दौरान 50-70 किलोमीटर की तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हो सकती है. आईएमडी ने बिहार और ओडिशा में भी भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि इस अनुमान के दौरान कई दिनों तक सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है.

पश्चिमी भारत

कोंकण और गोवा में 23 जून से बारिश बढ़ने की उम्मीद है. पूरे हफ्ते कोंकण और गोवा में भारी बारिश होने की संभा वना है, जबकि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है. कोंकण, गोवा, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में 40-50 किलोमीटर की तेज हवाएं चल सकती हैं, जो बढ़कर 60 किलोमीटर तक पहुंच सकती हैं। अगले 48 घंटों में मुंबई और आस-पास के तटीय इलाकों में मॉनसून सक्रिय रह सकता है.

दक्षिणी भारत

तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और लक्षद्वीप में बारिश जारी रहने की उम्मीद है. तेलंगाना, केरल, तटीय कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है. इस हफ्ते कई दक्षिणी राज्यों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की भी उम्मीद है.

देश का सबसे गर्म स्थान

कई इलाकों में बारिश बढ़ने के बावजूद, मध्य और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में तेज गर्मी का असर बना हुआ है. आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बांदा और विदर्भ और झारखंड में लू की स्थिति दर्ज की गई.

दिल्ली के लोगों को उमस से मिलेगी राहत

दिल्ली के लोगों को उमस से राहत मिली क्योंकि पूरे देश में बारिश होने से मौसम में अचानक बदलाव आया. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि चल रही धूल भरी आंधी के बाद गरज के साथ बारिश, बिजली कड़कने और हल्की बारिश होने की संभावना है, क्योंकि नमी वाली हवाएं एक अस्थिर वायुमंडलीय प्रणाली के साथ संपर्क करेंगी.उम्मीद है कि बारिश से धूल का स्तर कम होगा और गर्मी से राहत मिलेगी. मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग बेधशाला में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

संक्षिप्त खबर

.युएन की बैठक में चीन पाकिस्तान को भारत का करारा जवाब, कहा- कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है

पाकिस्तान : संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। हरीश ने कहा कि मैं पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा की गई बेवजह की टिप्पणियों का भी ज़िक्र करना चाहता हूँ। यह हैरानी की बात है कि एक सह-अध्यक्ष, जिससे अपने आचरण में संतुलित और निष्पक्ष रहने की उम्मीद की जाती है, उसने इस मंच का राजनीतिकरण करने का रास्ता चुना है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की एक अनौपचारिक बैठक में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है। भारत ने इन टिप्पणियों को बेवजह बताया और दोहराया कि यह मामला देश का आंतरिक मुद्दा है। यह प्रतिक्रिया UNSC की 'एरिया-फॉर्मूला' बैठक के दौरान आई, जिसका विषय 'कार्यान्वयन के अंतर को पाटनाः सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखना' था। इस बैठक का आयोजन संयुक्त रूप से चीन और पाकिस्तान ने किया था। बैठक में बोलते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। हरीश ने कहा कि मैं पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा की गई बेवजह की टिप्पणियों का भी ज़िक्र करना चाहता हूँ। यह हैरानी की बात है कि एक सह-अध्यक्ष, जिससे अपने आचरण में संतुलित और निष्पक्ष रहने की उम्मीद की जाती है, उसने इस मंच का राजनीतिकरण करने का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि समय की कमी को देखते हुए, मैं बस इतना ही जोर देकर कहना चाहता हूँ कि जम्मू-कश्मीर केंद्र-शासित प्रदेश का मामला पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है। यह हमेशा से ऐसा ही रहा है, अभी भी है और आगे भी ऐसा ही रहेगा। भारत ने J-K मुद्दे में किसी तीसरे पक्ष की दखलअंदाजी को खारिज किया पाकिस्तान ने बैठक में अपनी बात रखते हुए कश्मीर का मुद्दा उठाया था। भारत का हमेशा से यह कहना रहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश का अभिन्न और अटूट हिस्सा हैं और वह इस मामले में किसी तीसरे पक्ष की दखलअंदाजी को खारिज करता है। चर्चा के व्यापक विषय पर बात करते हुए हरीश ने कहा कि यूएन चार्टर में विवादों को सुलझाने के लिए चैप्टर VI और VII के तहत अलग-अलग तरीके दिए गए हैं, जो अलग-अलग हालात के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि चैप्टर VII के उपाय शांति के लिए खतरा, शांति भंग होने या आक्रामकता जैसी स्थितियों के लिए हैं, और अगर इन उपायों को लागू नहीं किया जाता है तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। इसके उलट, उन्होंने चैप्टर VI को एक ऐसे ढांचे के तौर पर बताया जो बातचीत, मध्यस्थता, सुलह, जांच और पंचाट (आर्बिट्रेशन) जैसे तरीके देता है, ताकि ऐसे विवादों को सुलझाया जा सके जिनसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा हो सकता है।हरीश ने कहा कि ये उपाय मौजूदा हालात को देखते हुए बनाए जाते हैं और हमेशा के लिए मान्य नहीं होते। बदलती परिस्थितियों और संदर्भों के अनुसार इनकी समीक्षा की जानी चाहिए। सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने फिलिस्तीन विवाद का उदाहरण दिया कि कैसे मध्यस्थता के प्रयास समय के साथ बदलते हैं। पुराने हो चुके मध्यस्थता ढांचों की समीक्षा करने की एक ठोस जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह मानना कि चैप्टर VI के तहत मध्यस्थता की पहल हमेशा लागू रहेगी, पूरी तरह से गलत है। भारत ने यह भी तर्क दिया कि सुरक्षा परिषद के आदेशों की समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे UN की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के मकसद से शुरू की गई UN80 पहल के तहत UN महासभा के आदेशों की समीक्षा की जा रही है। भारत सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग भी लगातार करता रहा है और उसने स्थायी सदस्यता की मांग की है। उसका तर्क है कि मौजूदा ढांचा आज की वैश्विक वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती है।

अरुणाचल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक आई बाढ़, 3 लोग लापता

ईटानगर: अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर जिले में लगातार बारिश के कारण बुधवार सुबह अचानक बाढ़ आ गई. इससे निचले इलाकों में पानी भर गया और 18 घरों को नुकसान पहुँचा. साथ ही, नेशनल हाईवे पर भूस्खलन से गाड़ियों की आवाजाही रुक गई और कई लोग फंस गए.राज्य आपदा प्रबंधन सचिव दानी सुलू ने बताया कि यजाली सर्कल के तहत पूसा के पास नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में अचानक आई बाढ़ के कारण तीन लोग लापता हो गए. उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण बन रही एक रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) गिर गई और कॉलोनी व उसके आस-पास के निचले रिहायशी इलाकों में भारी मात्रा में पानी भर गया.अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास नेशनल हाईवे 315 के आसपास कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुई. बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले में जॉयपुर के पास नेशनल हाईवे का हिस्सा और अरुणाचल प्रदेश के तिरप में एनएच 315 का देउमाली-कुंसा कनेक्टिंग पॉइंट लैंडस्लाइड से प्रभावित हुआ.डिब्रूगढ़ जिले में दिहिंग पटकाई सैंक्चुअरी से गुजरने वाले हाईवे को पिछले साल चौड़ा किया गया था. जॉयपुर में हाईवे पर तीन जगहों पर लैंडस्लाइड की खबर है. हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और मंगलवार से शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक इसे पूरी तरह बंद रखा गया. गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले के खुंसा, देउमाली, सोहा और नामसांग के लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इसी हाईवे से असम के डिब्रूगढ़ और नाहरकटिया आते-जाते हैं. इलाके के लोगों ने कहा, 'किसी बड़े हादसे को रोकने के लिए हाईवे अथॉरिटी से हाईवे को तुरंत ठीक करने की अपील की गई है.'असम सरकार अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबनसिरी जिले में बहुत ज्यादा बारिश और अचानक आई बाढ़ (फ़्लैश फ़्लड) से पैदा हो रही स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है. माना जा रहा है कि इसका असर असम के कई जिलों पर भी पड़ेगा. गुवाहाटी के रीजनल मौसम केंद्र (RMC) और ईटानगर के मौसम केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार निचले सुबनसिरी जिले के याजाली स्टेशन पर पिछले 24 घंटों में लगभग 72.8 मिमी बारिश दर्ज की गई. इसमें से ज्यादातर बारिश 24 जून को सुबह 06:00 बजे से 09:00 बजे के बीच हुई. सैटेलाइट और रडार की तस्वीरों से पता चलता है कि सुबह 06:00 बजे से 07:30 बजे के बीच जबरदस्त बारिश हुई.

मैगी हैबरमैन और जोनाथन की किताब रिजीम चेंज में चौंकाने वाला दावा, जेडी वेंस चाहते थे भारत अपने सैनिक यूक्रेन भेजे

एजेंसी

वाशिगटन : यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर चौंकाने वाली खबर आयी है. खबर यह है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की चाहत थी कि भारत यूक्रेन की मदद के लिए अपने सैनिक वहां भेजे. लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विचार को हंसकर दरकिनार कर दिया था.नामचीन पत्रकारों मैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान द्वारा लिखी नयी किताब रिजीम चेंज में यह दावा किया गया है. रिजीम चेंज के कुछ पेज सामने आये हैं. उसके अनुसार यूक्रेन में शांति सैनिक भेजने को लेकर अमेरिका में एक बैठक चल रही थी.बैठक में फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड आदि NATO) देशों के सैनिक भेजे जाने का प्रस्ताव आया. इस प्रस्ताव पर जेडी वेंस ने चिंता व्यक्त की. रिजीम चेंज के अनुसार जेडी वेंस का मानना था कि नाटो सैनिकों को यूक्रेन भेजे जाने से रूस भड़क सकता है.ऐसे में संभव है कि

अमेरिका सीधे युद्ध में फंस जाये. इस कआम में जेडी वेंस ने सुझाव दिया कि हम गैर-यूरोपीय देशों से मदद लें. वेंस ने सऊदी अरब और भारत का नाम सुझायामैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान ने लिखा है कि जेडी वेंस का सुझाव सुनते ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हंस पड़े थे. तंज कसा कि 'भारतीय ऐसा कभी नहीं करेंगे. वो इस तरह की किसी चीज के लिए अपनी जेब ढिली नहीं करने वाले लेखकों ने दावा किया है कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी का भी जिक्र किया, कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उन्हें बहुत पसंद करते हैं और वो मुझसे मिलने आना चाहते थे ट्रंप के अनुसार अगर ब्रिटिश या फ्रांसीसी सैनिक यूक्रेन भेजे जाते हैं, तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी. ट्रंप सिर्फ यह चाहते थे कि अमेरिका सीधे तौर पर इसमें शामिल न हो.बैठक में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भी निशाने पर लिया. . ट्रंप ने जेलेंस्की को एक वाहियात वातार्कार करार दिया कहा था कि जेलेंस्की ने सही ढंग से बातचीत न कर अपने देश को पूरी तरह से बबार्दी के कगार पर पहुंचा दिया.

भारत ने एवरेस्ट पर्वतारोही 'ग्रीन बूट्स' की पहचान की, शव वापस लाने के लिए मिशन की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत तीन दशकों से ₹ग्रीन बूट्स₹ के नाम से मशहूर एवरेस्ट पर्वतारोही के अवशेष बरामद करने के लिए एक मिशन की तैयारी कर रहा है. उ्ळअ टेस्टिंग से पता चला है कि वह एक भारतीय सैनिक था. न्यूज एजेंसी AFP को मिले डॉक्यूमेंट्स से यह पता चला है.बर्फ में जमा हुआ यह शव एवरेस्ट पर आसानी से पहचाने जाने योग्य स्थलचिह्न (छंल्ल्रों१') में से एक बन गया है, जो नेपाल और तिब्बत की सीमा पर है.यह शव, जिसका नाम पर्वतारोही के पहने हुए खास लाइम-कलर बूट्स के नाम पर रखा गया है, मई 1996 से लगभग 8,500 मीटर (27,887 फीट) की ऊंचाई पर एक गुफा में पड़ा है, जब दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ पर एक भयानक बफीर्ले तूफान में आठ पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी.लंबे समय तक माना जा रहा था कि पर्वतारोही की पहचान भारतीय

सुरक्षा बल इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP) के त्सेवांग पलजोर (Tsewang Paljor) के तौर पर हुई है. इसके बजाय, क्ळइढ ने कहा कि उसने पुष्टि की है कि यह पलजोर का सहकर्मी, दोर्जे मोरुप (Dorje Morup) था, जो एवरेस्ट की कठिन चढ़ाई पर पलजोर के दो साथियों में से एक था.ITBP ने रिट्रीवल ऑपरेशन (बचाव अभियान) के लिए बोलियों के लिए एक टेंडर निकाला है, जिसमें कहा गया है कि उसने 2024 में किए गए ₹पहले की सत्यापन प्रक्रिया₹ से पुष्टि की थी कि यह मोरुप था. भारत सरकार की साइट पर पोस्ट किए गए डॉक्यूमेंट्स में उस खोज यात्रा (Expedition) की जानकारी दी गई है, जिसमें कहा गया है कि उ्ळअ सैंपल इकट्ठा करना शामिल था. यह पहली बार है जब अधिकारियों ने औपचारिक तौर पर शव की पहचान बताई है.ऊंचाई पर से शवों को निकालना एक बड़ा मिशन है, जिसके लिए कई पर्वतारोही की जरूरत होती है. 1920 के दशक में शुरू हुई खोज यात्रा के बाद से पहाड़ पर 300 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, और कई शव अभी भी ऊपर पर मौजूद हैं. कई बर्फ में छिप गए हैं या गहरी दरारों में समा गए हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ के पिघलने से कुछ शव उभरने लगे हैं.ब्रिटिश पर्वतारोही जॉर्ज मैलोरी, जो 1924 में चोटी पर चढ़ने की कोशिश के दौरान लापता हो गए थे, उनकी बॉडी 1999 में मिली. उनके साथ चोटी पर चढ़ने गए पर्वतारोही एंड्रयू इरविन, कभी नहीं मिले -- और न ही उनका कैमरा, जो चोटी पर फतह पाने का सबूत दे सकता है ।

रेलवे की 9 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने की तैयारी, दिल्ली-मुंबई रूट भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे आधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है. फिलहाल रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को शुरू करने पर फोकस कर रहा है. वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन की गई हैं और रात की यात्रा के लिए ज्यादा आरामदायक हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रेलवे ने 9 नए रूटों पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की योजना बनाई है.रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसमें 9 नए रूट पर ट्रेनें चलाने की बातचीत चल रही है. इसमें दिल्ली-मुंबई रूट भी शामिल है, जिससे देश का सबसे व्यस्त रेल कॉरिडोर माना जाता है. वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने के बाद यात्रा का समय काफी कम हो सकता है.

इन रूटों पर वंदे भारत ट्रेन चलाने का प्रस्ताव

इसके अलावा, रेलवे कई दूसरे रूट पर भी विचार किया जा रहा है. इनमें नई दिल्ली-अहमदाबाद, नई दिल्ली-हावड़ा, नई दिल्ली-चेन्नई, नई दिल्ली-सिकंदराबाद, नई दिल्ली-पुणे, मुंबई-अहमदाबाद और नई दिल्ली-श्रीनगर शामिल हैं.हालांकि, रेलवे अभी तक इन रूट्स की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है. ये अभी प्रस्तावित रूट हैं, जिन पर यात्रियों की ज्यादा डिमांड है और ये बड़े शहरों को जोड़ते हैं.गौरतलब है कि रेलवे मुंबई-बेंगलुरु रूट पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को पहले ही मंजूरी मिल चुका है.

मुंबई-बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के कोच का पहला लुक

बीते दिनों मुंबई-बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के फर्स्ट AC कोच का पहला लुक सामने आया था. प्रीमियम इंटीरियर, मॉडर्न केबिन और बेहतर सुविधाओं वाली इस ट्रेन ने पहले ही रेल के शौकीनों और अक्सर यात्रा करने वालों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है. आरामदायक सफर का अनुभव देने के लिए डिजाइन किए गए इन कोच में साफ लेआउट, बेहतर लाइटिंग, प्रीमियम फिनिश और जगह का बेहतर इस्तेमाल है.इसके अलावा, अपग्रेडेड वॉशरूम, एडवांस्ड पैसेंजर इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम, बेहतर सुरक्षा उपाय और CCTV सर्विलांस भी दिए गए हैं. इन सुविधाओं से सफर अधिक आरामदायक और सुरक्षित होगा.

वाराणसी के ताज होटल में क्रिकेटर आकाशदीप की शादी; अक्षिता संग लेंगे सात फेरे

वाराणसी: भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट गेंदबाज आकाशदीप आज शादी के बंधन में बंधेगे. जी हां वाराणसी के ताज गंगेज होटल में उनका विवाह संपन्न होगा. इनकी शादी में दिग्गज हस्तियों के शामिल होने की सूचना है. मेहमानों के आने का सिलसिला भी शुरू हो गया है.भारतीय टेस्ट क्रिकेटर आकाशदीप वाराणसी के होटल ताज गंजेज में अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे. सासाराम में मेहंदी की रस्म पूरी होने के बाद अब शादी के इस भव्य समारोह में राजनीति और खेल जगत की तमाम दिग्गज हस्तियां शिरकत करेंगी. हालांकि, टीम इंडिया के इंग्लैंड दौरे पर होने की वजह से मुख्य खिलाड़ी इस समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे.शादी के बाद मुंबई में एक शानदार रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा. 22 जून से चल रहे वैवाहिक कार्यक्रम जानकारी के अनुसार दो दिनों से उनके वैवाहिक कार्यक्रम बिहार के रोहतास में चल रहे हैं.22 जून को जहां उनके तिलक की रस्म संपन्न हुई, उनको हल्दी लगाई गई, वहीं 23 जून को मेहंदी का कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस दौरान आकाशदीप अपने परिवार के साथ झूमते गाते डांस करते हुए नजर आए.उन्होंने अपने हाथों पर अक्षिता के नाम की मेहंदी लगवाई. उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं. हर कोई इस नए जोड़े को लेकर खासा खुश है.आकाशदीप बिहार के सासाराम के रहने वाले हैं.

केंद्र सरकार ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को सुरक्षित करार दिया, कहा,जानबूझकर भ्रम फैलाया जा रहा है

एजेंसी

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को सुरक्षित करार देते हुए कहा है और इ20 के इस्तेमाल से गाड़ी के इंश्योरेंस की वैलिडिटी पर कोई असर नहीं पड़ेगा.केंद्र की मोदी सरकार ने उन चिंताओं को खारिज किया है, जिसमें कहा जा रहा हैकि ई20 फ्यूल के इस्तेमाल से गाड़ी के इंश्योरेंस पॉलिसी की वैलिडिटी पर असर पड़ सकता है.पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग जानबूझकर भ्रम फैलाने वाली बातें फैला रहे हैं. पुराने फोटो और वीडियो को नये बताकर शेयर किया जा रहा है, ताकि लोगों में बेवजह डर पैदा हो और वीडियो को ज्यादा व्यूज मिले. मंत्रालय ने कहा कि ईंधन टैंक के पास चींटियों के जमा होने या पेट्रोल में गन्ने का रस सीधे मिलाये जाने वाले वायरल वीडियोफर्जी हैं, इथेनॉल औद्योगिक प्रक्रिया से बनता है और इसमें कोई अवशिष्ट शर्करा (Residual Sugar) नहीं होती. मंत्रालय कहा है कि भारत का इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम सुरक्षित, ग्राहकों के लिए फायदेमंद और आर्थिक रूप से लाभकारी है.केंद्र सरकार ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को सुरक्षित करार दिया, कहा,जानबूझकर भ्रम फैलाया जा रहा है केंद्र की मोदी सरकार ने उन चिंताओं को खारिज किया है, जिसमें कहा जा रहा है कि ई20 फ्यूल के इस्तेमाल से गाड़ी के इंश्योरेंस पॉलिसी की वैलिडिटी पर असर पड़ सकता है.

बॉर्डर 3 में दिखाई जाएगी जनरल हरबख्श सिंह की कहानी...

नई दिल्ली। बॉर्डर 2 की जबरदस्त सक्सेस के बाद अब निधि दत्ता ने जेपी फिल्म्स के बैनर तले कुछ और फिल्में बनाने का फैसला लिया है। निधि एक या दो नहीं पांच फिल्में बनाने के मूड में हैं। इनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है बॉर्डर 3। बताया जा रहा है कि ये फिल्म एक वॉर बायोपिक होगी। असल में यह जनरल हरबख्स सिंह की बायोपिक होगी। बॉर्डर 3 के अलावा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक एयर फोर्स ड्रामा फिल्म, माइथोलॉजी और भारतीय इतिहास पर आधारित एक ट्रेजर हंट फिल्म और इनके अलावा लीजेंड्री फिल्म मेकर ओपी दत्ता (जेपी दत्ता के पिता) की जिंदगी पर एक लंबी सीरीज बनाने की प्लानिंग है।

लाइफ Style

अनुष्का

कोरियन फिल्म में निभाएंगी लीड रोल

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 'जेजू ओले' में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉन्गराइटर सुनवू (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है। हाल ही में, अनुष्का ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की। इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 'जेजू ओले' का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं।

हॉलीवुड मसाला

डॉक्टर डूम के रूप में आएंगे नजर

लॉस एंजिल्स। एमसीयू की आने वाली फिल्म 'अवेंजर्स डूम्सडे' का दर्शकों के बीच उत्साह है। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। इसमें हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी डॉक्टर डूम के रूप में नजर आएंगे। हाल ही में टॉम हॉलैंड ने खुलासा किया कि उन्हें मार्वल के इस सीक्रेट का पहले ही पता चल गया था। टॉम के मुताबिक, मार्वल द्वारा डॉक्टर डूम के रूप में मार्वल यूनिवर्स में डाउनी की वापसी की घोषणा करने से पहले रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने निजी रूप से उन्हें फोन किया था।

एमसीयू में सिर्फ एक को पता है, पीटर कौन है?

लॉस एंजिल्स। 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' की रिलीज से ठीक एक महीने पहले टॉम हॉलैंड ने एक मजेदार हिंट दिया है। पिछली फिल्म 'नो वे होम' के आखिर में हमने देखा था कि डॉक्टर स्ट्रैंज के जादू से दुनिया यह भूल चुकी है कि पीटर पार्कर ही स्पाइडर-मैन है। लेकिन, अब टॉम ने बातों-बातों में खुलासा किया है कि एमसीयू में एक ऐसा है, जिसे यह सच पता है। 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' 30 जुलाई को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां 'नो वे होम' की खत्म हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि रिलीज से ठीक पहले पीटर पार्कर यानी एक्टर टॉम हॉलैंड ने एक मजेदार हिंट दिया है। उन्होंने खुलासा किया है कि एमसीयू में सिर्फ एक ऐसा किरदार है, जिसे पता है कि पीटर पार्कर ही स्पाइडर-मैन है। स्पाइडर-मैन' फ्रैंचाइजी की यह चौथी है, जबकि 'एवेंजर्स: डूम्सडे' से पहले यह मार्वल सिनमैटिक यूनिवर्स की कहानी को नया मोड़ देगी।

बहुत घबराहट हो रही थी फिर सबने की मदद

मुंबई। बोलो ता रा रा, तुनक तुनक तुन, ना ना ना रे और हो जाएगी बल्ले-बल्ले जैसे गानों की सौगात देने वाले मशहूर सिंगर दलेर मेहंदी अब परदे पर एक्टिंग करते नजर आएंगे। फिल्म होगी 'वेलकम टू द जंगल'। इस मल्टीस्टारर फिल्म में काम करके दलेर मेहंदी बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में उन्होंने अपना अनुभव शेयर करते हुए सितारों की तारीफ की। अपना अनुभव बताते हुए दलेर मेहंदी ने कहा कि उन्हें फिल्म की पूरी कास्ट से बहुत प्यार और सपोर्ट मिला। दलेर मेहंदी ने माना कि शुरू में उन्हें घबराहट हो रही थी। सब दोस्त हैं, लेकिन जब एक्टिंग की बारी आई तो बहुत घबराहट हो रही थी'। मगर, सेट पर मौजूद अच्छे और दोस्ताना माहौल की वजह से उनकी घबराहट जल्द ही दूर हो गई। सिंगर ने कहा, 'अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी बहुत अच्छे इंसान हैं।

वो 7 दिन के 43 साल पूरे होने पर मनाया जश्न

मुंबई। 1983 में आई सुपरहिट फिल्म 'वो 7 दिन' के 23 जून को पूरे 43 साल हो गए हैं। अनिल कपूर ने अपनी इस फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया है। अनिल कपूर ने बताया कि इसी फिल्म ने उन्हें हिंदी सिनेमा में असली पहचान दिलाई। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म के कई सीन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसके बैकग्राउंड में फिल्म का मशहूर गाना 'प्यार किया नहीं जाता' बज रहा है। उन्होंने लिखा कि कुछ फिल्में हमेशा दिल के करीब रहती हैं और 'वो 7 दिन' उनके लिए हमेशा बेहद खास रहेगी। अनिल कपूर ने फिल्म के साथी कलाकारों और अपने परिवार का आभार जताया। नसीरुद्दीन शाह और पद्मिनी कोल्हापुरे के बारे में अनिल कपूर ने कहा कि वे इन दोनों कलाकारों के हमेशा आभारी रहेंगे।

टीवी मसाला

तारक मेहता के इन कलाकारों ने नहीं की शादी, 48-50 की उम्र में भी कुंवारे

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' जितना पॉपुलर है, उसके किरदार भी उतने ही पॉपुलर हैं और दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। कई कलाकार तो ऐसे रहे, जो यह शो छोड़ चुके हैं, पर आज भी दर्शक उन्हें याद करते हैं। जेठालाल से लेकर दयाबेन, बबीता जी और पोपटलाल, समेत हर किरदार दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ चुका है। पोपटलाल तो ऐसा किरदार है, जिसकी लाख कोशिशों के बावजूद शादी नहीं हो पा रही है। 'तारक मेहता' में पोपटलाल की शादी करवाने के लिए न जाने कितने ही सीक्वेंस शुरू किए गए, पर अब तक वह कुंवारा ही है।

पांच साल बाद फिर डराने आ रहे इमरान, फिल्म 'रूह' की घोषणा

मुंबई। हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

इमरान हाशमी बताया कि 'रूह' एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे तुरंत अपनी ओर खींचा, क्योंकि इसमें नए जमाने की हॉरर, भावना और संगीत का बहुत जबरदस्त मेल है। दर्शक हमेशा से मुझे इस तरह की फिल्मों से जोड़कर देखते आए हैं। मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत दमदार, इमोशनल और सिनेमैटिक लगती है। 'रूह' के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित किया है। मैं सच में चाहता हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें।'

घायल की 36वीं सालगिरह पर सनी हुए भावुक, पिता को किया याद...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर सनी देओल ने अपनी शानदार फिल्म 'घायल' की रिलीज के 36 साल पूरे होने पर जश्न मनाया है। उन्होंने इस मौके पर अपने दिवंगत पिता और मशहूर एक्टर धर्मेंद्र को याद किया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के यादगार सीन का एक मोंटाज शेयर करते हुए, सनी देओल ने फिल्म को सफल बनाने का श्रेय धर्मेंद्र को दिया है। वीडियो शेयर करते हुए सनी देओल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'पापा के भरोसे और राज की राइटिंग ने 'घायल' को मुमकिन बनाया। आपके प्यार ने इसे अमर बना दिया।' इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट और हाथ जोड़ने वाले इमोजी भी लगाए। आपको बता दें कि कई निर्माताओं के इस फिल्म को सपोर्ट करने से मना करने के बाद धर्मेंद्र ने खुद 'घायल' को प्रोड्यूस किया। सनी देओल पर उनका भरोसा काम आया और यह फिल्म एक्टर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म की लीड एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी 'माहिया तेरी कसम' गाने को रीक्रिएट करके इस फिल्म की 36वीं एनिवर्सरी मनाई। अपने डांस मूव्स दिखाते हुए एक वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'आज घायल की 36वीं एनिवर्सरी है। एक ऐसी फिल्म जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। तीन दशक बाद जब मैं इंडियन सिनेमा से फिर से जुड़ रही हूं, तो फिल्म के इस खूबसूरत रोमांटिक गाने को फिर से देखना बहुत खास लग रहा है।' 'घायल' के निर्देशक राजकुमार संतोषी थे। इसमें राज बब्बर और अमरीश पुरी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। मौसमी चटर्जी, अन्नू कपूर, ओम पुरी, शरत सक्सेना और सुदेश बेरी सपोर्टिंग रोल में नजर आए थे। ढाई करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

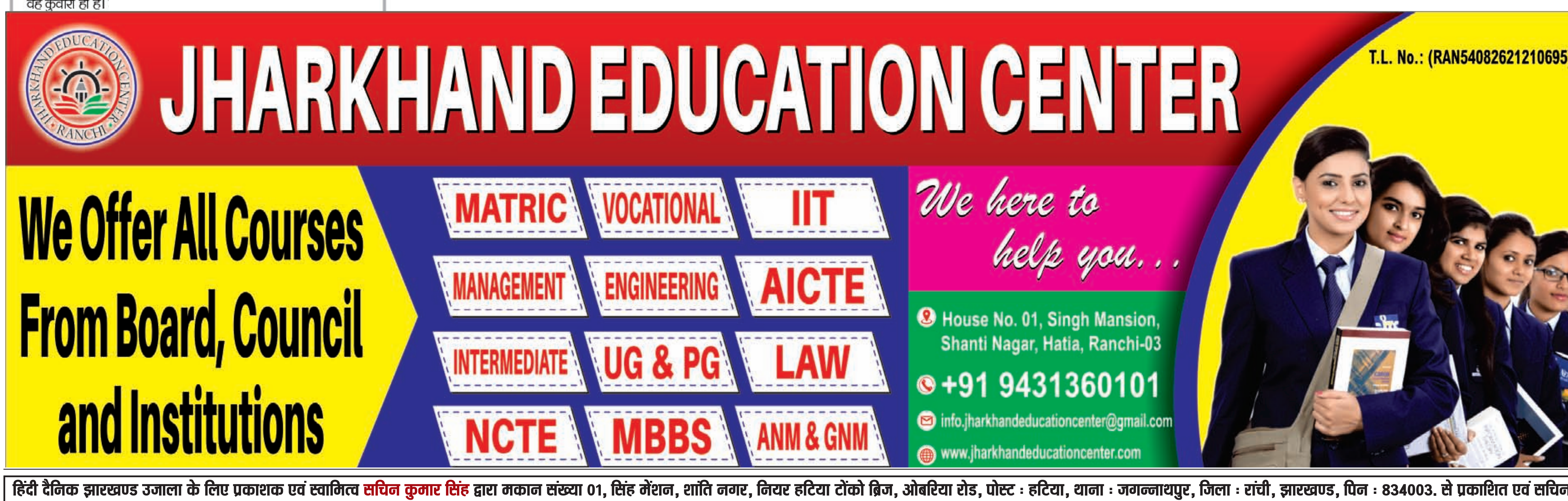

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.